मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 160
मंगलवार, 24 दिसम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

राहुल ने राजनीतिक कारणों से, नफरत पैदा करने के लिए किया परभणी का दौराः देवेंद्र फडणवीस

पुणे, 23 दिसम्बर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि परभणी में हिरासत में मारे गए एक दलित व्यक्ति के परिजनों से मिलने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी का दौरा केवल राजनीतिक कारणों से और नफरत पैदा करने के लिए किया गया था। राहुल गांधी ने इससे पहले आज दिन में परभणी में सोमनाथ सूर्यवंशी के परिजनों से मुलाकात की और कहा कि सोमनाथ इसलिए मारे गए क्योंकि वह दलित थे और संविधान की रक्षा कर रहे थे। सोमनाथ उन 50 से अधिक लोगों में शामिल थे जिन्हें 10 दिसंबर को बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा के पास लगी संविधान की प्रतिकृति के अपमान के बाद भड़की हिंसा के बाद गिरफ्तार किया गया था।

परभणी में शंकर नगर निवासी सोमनाथ (35) को परभणी जिला केंद्रीय जेल में रखा गया और छाती में दर्द तथा बेचैनी की शिकायत के बाद एक सरकारी अस्पताल में 15 दिसंबर को उनकी मौत हो गई। गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि पुलिस ने सोमनाथ सूर्यवंशी को मार डाला और यह शत प्रतिशत हिरासत में मौत का मामला है। पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, राहुल गांधी सिर्फ राजनीतिक कारणों से आए हैं। उनका काम लोगों में नफरत फैलाना है। हम सभी मामलों की जांच कर रहे हैं। मामला अदालत में है।

गृह मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे फडणवीस ने कहा, अगर यह साबित हो जाता है कि मौत पुलिस की पिटाई से हुई है, तो किसी को भी नहीं बख्शा जाएगा। राज्य सरकार ने परभणी हिंसा के मामले में न्यायिक जांच का आदेश दिया है। विधानसभा के 21 दिसंबर को समाप्त हुए शीतकालीन सत्र के दौरान फडणवीस ने बताया कि सोमनाथ सूर्यवंशी ने एक मजिस्ट्रेट से कहा था कि उन्हें प्रताड़ित नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने सदन में कहा कि सीसीटीवी फुटेज में भी क्रूरता का कोई प्रमाण नहीं मिलता।

हवाई पट्टी की रिकार्पेटिंग एक महीने में नहीं हुई तो अधिकारियों को निलंबित किया जाएगा: नितिन गडकरी

नागपुर, 23 दिसम्बर। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि यदि नागपुर हवाईअड्डे के रनवे पर रिकार्पेटिंग का काम एक महीने में पूरा नहीं हुआ तो अधिकारियों को निलंबित कर दिया जाएगा।

नागपुर हवाईअड्डे पर मिहान इंडिया लिमिटेड (एमआईएल), एएआई के साथ मिलकर काम करता है। एमआईएल के अनुसार एएआई ने सूचित किया है कि परियोजना मई 2025 तक पूरी हो सकती है, बशर्ते रनवे रोजाना आठ घंटे के लिए उपलब्ध हो।

नागपुर से लोकसभा सदस्य गडकरी ने कहा कि उड़ानों का समय बदलने और हवाई टिकट की कीमत बढ़ने से लोग परेशान होते हैं। गडकरी ने हवाई पट्टी का निरीक्षण करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि एएआई ने मई 2024 में मैसर्स केजी गुप्ता को रिकार्पेटिंग का काम सौंपा था।

आशा है कि किसानों से किए वादों को पूरा करेगी सरकार: मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को किसानों के साथ अब और अन्याय नहीं करना चाहिए और उनसे किए वादे को पूरा करना चाहिए। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, किसान ही हिन्दुस्तान है, देश का अभिमान है। सभी किसान बहन-भाइयों को, खेत-मजदूरों को किसान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। देश के किसानों के लिए संघर्षरत रहे, भूतपूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन।

उन्होंने कहा, आशा है कि मोदी सरकार अपनी ज़िद और किसान-विरोधी नीतियों से हमारे अन्नदाता किसानों के प्रति और अन्याय न करें और अपने पुराने वादों पर अमल करें।

चुनाव नियम में बदलाव को लेकर स्टालिन ने की बीजेपी की आलोचना

तमिलनाडु, 23 दिसम्बर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोमवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ कड़ी आलोचना की और उस पर चुनाव संचालन नियमों की धारा 93(2)(ए) में संशोधन के साथ लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। स्टालिन ने एक्स पर एक पोस्ट में अपनी चिंता व्यक्त की, जिसमें आरोप लगाया गया कि संशोधन का उद्देश्य मतदान केंद्रों से सीसीटीवी फुटेज सहित चुनाव दस्तावेजों तक सार्वजनिक पहुंच को प्रतिबंधित करके चुनावों में पारदर्शिता को खत्म करना है। स्टालिन ने लिखा चुनाव में पारदर्शिता को खत्म करने के लिए चुनाव संचालन नियमों की धारा 93(2)(ए) के लापरवाह संशोधन से भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के तहत लोकतंत्र को सबसे गंभीर खतरे का सामना करना पड़ रहा है।

यह चुनाव आयोग (ईसी) की सिफारिश पर केंद्र सरकार द्वारा चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 93(2)(ए) में संशोधन के बाद आया है। यह परिवर्तन सीसीटीवी कैमरा फुटेज सहित विशिष्ट इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तक सार्वजनिक पहुंच को प्रतिबंधित करता है। चुनाव के दौरान उम्मीदवारों की वेबकास्टिंग सामग्री और वीडियो रिकॉर्डिंग।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि संशोधन पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के एक निर्देश का पालन करता है, जिसने एक मतदान केंद्र की सीसीटीवी फुटेज मांगी थी। उन्होंने केंद्र सरकार पर डर से काम करने का आरोप लगाया, न केवल हरियाणा में बल्कि महाराष्ट्र में भी, जहां हाल के विधानसभा चुनाव विवादों में घिर गए थे।

परभणी पहुंचे राहुल गांधी, सोमनाथ सूर्यवंशी के परिवार से की मुलाकात

आरएसएस-बीजेपी पर साधा निशाना

परभणी, 23 दिसम्बर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को सोमनाथ सूर्यवंशी के परिवार से मुलाकात की, जिनकी इस महीने की शुरूआत में महाराष्ट्र के परभणी शहर में हिंसा के बाद न्यायिक हिरासत में मौत हो गई थी। राहुल ने कहा कि मैं उनके परिवार और उन लोगों से मिला हूं जो मारे गए और पीटे गए। उन्होंने मुझे पोस्टमार्टम रिपोर्ट, वीडियो, तस्वीरें दिखाईं। उन्होंने दावा किया कि यह 100 फीसदी हिरासत में मौत है। उनकी हत्या हुई है और मुख्यमंत्री ने पुलिस को संदेश देने के लिए विधानसभा में झूठ बोला। राहुल ने आगे कहा कि उनके जवान को इसलिए मार दिया गया क्योंकि वह दलित था और संविधान की रक्षा कर रहा था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आरएसएस की विचारधारा संविधान को नष्ट करने की है। हम चाहते हैं कि यह मामला तुरंत सुलझे और जिन लोगों ने ऐसा किया है उन्हें सजा मिले। कोई राजनीति नहीं की जा रही है। राहुल ने आरोप लगाया कि विचारधारा जिम्मेदार है, क्योंकि मुख्यमंत्री ने यह बयान दिया है इसलिए मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं, जिन्होंने उन्हें मारा है वे जिम्मेदार हैं और जल्द से जल्द कार्रवाई होनी चाहिए। परभणी में 10 दिसंबर की शाम को मराठवाड़ा क्षेत्र में स्थित शहर के रेलवे स्टेशन के बाहर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा के पास संविधान की कांच से बंद प्रतिकृति को क्षतिग्रस्त किए जाने के बाद हिंसा देखी गई। परभणी के शंकर नगर निवासी सूर्यवंशी हिंसा के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए 50 से अधिक लोगों में शामिल थे। पुलिस के अनुसार, 15 दिसंबर को एक सरकारी अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई, जहां उन्हें सीने में दर्द और बेचैनी की शिकायत के बाद ले जाया गया था, जब वह न्यायिक हिरासत में थे और परभणी जिला केंद्रीय जेल में बंद थे। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने परभणी हिंसा की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं।

जब सत्ता चाहिए थी तब मंदिर मंदिर करते थे, सत्ता मिल गयी तो कह रहे हैं मंदिर मत ढूँढ़ो: स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने हाल ही में एक संबोधन के दौरान कहा था कि हर जगह मंदिर ढूँढ़ने की इजाजत नहीं दी जा सकती। मोहन भागवत के बयान का विपक्षी दलों सहित समाज के एक बड़े वर्ग ने स्वागत किया था लेकिन ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत की आलोचना करते हुए उन पर राजनीतिक सुविधा के अनुसार बयान देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि जब उन्हें सत्ता प्राप्त करनी थी, तब वह मंदिर-मंदिर करते थे अब सत्ता मिल गई तो मंदिर नहीं ढूंढ़ने की नसीहत दे रहे हैं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार की निंदा करते हुए कहा कि केंद्र सरकार को कड़ा कदम उठाते हुए भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों को उनके देश भेज देना चाहिए। उन्होंने बंगलादेश में हिंदुओं पर अत्याचार मामले में केंद्र सरकार द्वारा कोई कार्रवाई नहीं करने के लिए उसकी आलोचना भी की। शंकराचार्य ने पूर्व में आक्रांताओं द्वारा कथित रूप से तोड़े गए मंदिरों की सूची बनाकर उनका पुरातत्व सर्वेक्षण किए जाने तथा हिंदू समाज के गौरव को पुनः पुरस्थापित किए जाने की भी मांग की। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि अतीत में हिंदू समाज के साथ बहुत अत्याचर हुआ है और हिंदुओं के धर्मस्थलों को तहस नहस किया गया है। उन्होंने कहा, अगर अब हिंदू समाज अपने मंदिरों का पुनरूद्धार कर उन्हें पुनः संरक्षित करना चाहता है तो इसमें गलत क्या है ?

लोगों को अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए अधिकारी परियोजनाओं में तेजी लाएं: सुक्खू

हिमाचल प्रदेश। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अधिकारियों को सोमवार को निर्देश दिया कि वे विकास परियोजनाओं में तेजी लाएं ताकि प्रदेश के लोगों को अधिकतम लाभ पहुंचाया जा सके। सुक्खू ने केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए सामाजिक कल्याण, पिछड़ा वर्ग एवं जनजातीय विकास, महिला कल्याण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और कृषि से संबंधित परियोजनाओं के कार्यान्वयन एवं प्रगति की समीक्षा की।

सुक्खू ने लागत में वृद्धि को रोकने तथा विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए इन परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सत्ता के लिए हैं एक साथ, वैचारिक कारणों से नहीं, महायुति गठबंधन पर संजय राउत का तंज

मुंबई, 23 दिसम्बर। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने सोमवार को महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे राजनीतिक सत्ता के लिए एक साथ हैं, न कि वैचारिक समानता के कारण। उन्होंने यह भी कहा कि वे अपनी पार्टी की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं और उसके बाद ही सरकार बनाने के लिए एक साथ आते हैं। राउत ने कहा कि गठबंधन सरकार में शामिल लोग कितना भी कहें कि वे वैचारिक कारणों से साथ हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। वे राजनीतिक सत्ता के लिए एक साथ आते हैं। वे अपनी पार्टी की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं और फिर सरकार बनाने के लिए एक साथ आते हैं। अभिभावक मंत्री पद के आवंटन के संबंध में चल रही चर्चा पर बोलते हुए, एक महीने पहले सरकार बनने के बाद भी पोर्टफोलियो आवंटन में देरी की ओर इशारा करते हुए, शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा कि यह प्रक्रिया जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि पहले तो सरकार नहीं बनी और जब सरकार बनी तो एक महीने बाद कल ही विभाग का बंटवारा हुआ। अब पालकमंत्री पद को लेकर चर्चा चल रही है। इससे कुछ नहीं होगा...अंत तक यही चलता रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि अभिभावक मंत्रियों की नियुक्ति का कोई मतलब नहीं है क्योंकि वे केवल अपने हितों की पूर्ति करते हैं और यह सत्ता बनाए रखने का एक और तरीका है। राउत ने सवाल करते हुए कहा कि मुंडे (पंकजा या धनंजय) बीड के संरक्षक मंत्री हो सकते हैं, क्या संतोष देशमुख को न्याय मिलेगा? परभणी का संरक्षक मंत्री कोई भी बने, क्या पुलिस हिरासत में मारे गए सोमनाथ सूर्यवंशी को न्याय मिलेगा? जो भी ठाणे का संरक्षक मंत्री बनेगा, क्या मराठी परिवार को कल्याण में उनके साथ हुए अन्याय के खिलाफ न्याय मिलेगा? इसका कोई उपयोग नहीं है। यह अपने लिए सत्ता बनाए रखने का एक और तरीका है।

KWALITY BUILDERS & DEVELOPERS
अपने सपनों का घर प्राप्त करें, सस्ते दामों एवं आसान किस्तों के साथ मुंबई मे भी उपलब्ध
PRAKASH PRAJAPATI MO:9821773050
Venue: Plot No. 20/27/2/A/20, Behind Janbai Building, Navali, Palghar (E), 401404

"स्वच्छ जल से ही स्वस्थ जीवन"
सस्ते एवं उचित दर पर, आपकी सेवा में समर्पित, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें
पुर्णिमा सर्विसेस
COMPLETE SOLUTIONS OF WATER TREATMENT
ALL TYPES WATER PURIFIER SERVICE
Email - purnima.services@gmail.com
8655185584
Shop No. 7, Gr. Floor , Prerna Tower, Diva - Shil Road , Diva (E) - 400612

THE DOCTORS COACHING
अब आपके विकास नगर लखनऊ में
Your Gateway to Success in NEET & Foundation Exams!
Powered by- Modern Kids Education Pvt.Ltd. (Since 1999)
NEET (UG) & FOUNDATION
Physics Chemistry Biology
Director Dr. Abid Khan PhD (USA)
9th, 10th, 11th & 12th
Smart Classes
Fully Air- Conditioned Classes
The Doctors Coaching Your Gateway to success in NEET a foundation exams!
ADMISSION OPEN NOW!
www.thedoctorcoaching.com | edu@thedoctorcoaching.com
+91- 7080403322, +91- 8400043322
Near LHPS, Friends Colony, Sector- 7, Vikas Nagar, Lucknow- 226022

महान राष्ट्र-सपूतों में अग्रणी थे अटल बिहारी वाजपेयी

-ललित गर्ग

अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जन्म जयन्ती-25 दिसम्बर, 2024

भारतीय राजनीति का महानायक, भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता, भारत रत्न, प्रखर कवि, वक्ता और पत्रकार श्री अटल विहारी वाजपेयी की जन्म जयंती 25 दिसंबर को भारत सरकार प्रतिवर्ष सुशासन दिवस के रूप में मनाती है। इस वर्ष हम उनका 100वां जन्मोत्सव मना रहे हैं, जिन्होंने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, विचारक एवं समाज सुधारक एवं राष्ट्र-निमार्ता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हुए थे। अटलजी यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, नये भारत के निमार्ता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, वक्ता और नेता हैं, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं।

तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे अटल विहारी वाजपेयी ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय विदेश मंत्री व प्रधानमंत्री- पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार बनाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया। पिछले कई दशकों में वह एक ऐसे नेता के रूप में उभरे जो विश्व के प्रति उदारवादी सोच और लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता को महत्व देते हैं। वे ऐसे भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं जिस देश की सभ्यता का इतिहास 5000 साल पुराना है और जो अगले हजार वर्षों में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है। विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेवाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे। वाजपेयीजी बेहद नम्र इंसान थे और वह अहंकार से कोसों दूर थे। उनके प्रभावी एवं बेवाक व्यक्तित्व से पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी प्रभावित थे और उन्होंने कहा था कि अटलजी एक दिन भारत के प्रधानमंत्री जरूर बनेंगे। आज भारतीय जनता पार्टी की मजबूती का जो धरातल बना है, वह उन्हीं की देन है। वे भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक हैं। 1977 में जनता पार्टी सरकार में उन्हें विदेश मंत्री बनाया गया। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ के अधिवेशन में उन्होंने हिंदी में भाषण दिया और वे इसे अपने जीवन का सबसे सुखद क्षण बताते थे। वे संसद में बहुत प्रभावशाली वक्ता के रूप में जाने जाते रहे हैं और महत्वपूर्ण मुद्दे पर उनके भाषण खासे गौर से सुने जाते रहे हैं, जो भारत के संसदीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है।

उत्तर प्रदेश में आगरा जनपद के प्राचीन स्थान बटेश्वर के मूल निवासी पण्डित कृष्ण बिहारी वाजपेयी मध्य प्रदेश की ग्वालियर रियासत में अध्यापक थे। वहीं शिन्दे की छावनी में 25 दिसंबर 1924 को ब्रह्ममुहूर्त में उनकी सहधर्मिणी कृष्णा वाजपेयी की कोख से अटलजी का जन्म हुआ था। महात्मा रामचन्द्र वीर द्वारा रचित अमर कृति ह्यविजय पताकाह्व पढ़कर अटलजी के जीवन की दिशा ही बदल गयी। छात्र जीवन से वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक बने और तभी से राष्ट्रीय स्तर की वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में भाग लेते रहे। डॉ॰ श्यामाप्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के निर्देशन में राजनीति का पाठ तो पढ़ा ही, साथ-साथ पाञ्चजन्य, राष्ट्रधर्म, दैनिक स्वदेश और वीर अर्जुन जैसे पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादन का कार्य भी कुशलतापूर्वक करते रहे। अटलजी ने किशोर वय में ही एक अद्भुत कविता लिखी थी-हिन्दू तन-मन हिन्दू जीवन, रग-रग हिन्दू मेरा परिचय, जिससे यह पता चलता है कि बचपन से ही उनका रुझान देश हित, राष्ट्रीयता एवं हिन्दुत्व की तरफ था। राजनीति के साथ-साथ समष्टि एवं राष्ट्र के प्रति उनकी वैयक्तिक संवेदनशीलता, जिजीविषा, व्यापक दृष्टि आद्योपान्त प्रकट होती ही रही है। उनके संघर्षमय जीवन, परिवर्तनशील परिस्थितियाँ, राष्ट्रव्यापी आन्दोलन, जेल-जीवन आदि अनेक आयामों के प्रभाव एवं अनुभूति से जुड़े विचार उनके काव्य में सदैव ही दिखाई देते थे।

अटल विहारी वाजपेयी 16 मई 1996 को पहली बार प्रधानमंत्री बने, लेकिन लोकसभा में बहुमत साबित न कर पाने की वजह से 31 मई 1996 को उन्हें त्यागपत्र देना पड़ा। इसके बाद 1998 तक वे लोकसभा में विपक्ष के नेता रहे। 1999 में हुए चुनाव राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के साझा घोषणापत्र पर लड़े गए और इन चुनावों में वाजपेयी के नेतृत्व को एक प्रमुख मुद्दा बनाया गया। गठबंधन को बहुमत हासिल हुआ और वाजपेयी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री की कुर्सी संभाली। एनडीए का नेतृत्व करते हुए मार्च 1998 से मई 2004 तक, छह साल वह भारत के प्रधानमंत्री रहे। इस दौरान उनकी सरकार ने 11 और 13 मई 1998 को पोखरण में पाँच भूमिगत परमाणु परीक्षण विस्फोट करके भारत को परमाणु शक्ति संपन्न देश घोषित कर दिया। इस कदम से उन्होंने भारत को निर्विवाद रूप से विश्व मानचित्र पर एक सुदृढ वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर दिया। यह सब इतनी गोपनीयता से किया गया कि अति विकसित जासूसी उपग्रहों व तकनीकी से संपन्न पश्चिमी देशों को इसकी भनक तक नहीं लगी। यही नहीं इसके बाद पश्चिमी देशों द्वारा भारत पर अनेक प्रतिबंध लगाए गए लेकिन वाजपेयी सरकार ने सबका दृढतापूर्वक सामना करते हुए आर्थिक विकास की ऊंचाईयों को छुआ। वाजपेयीजी ने पडौसी देश पाकिस्तान के साथ रिश्तों को सौहार्दपूर्ण बनाने की दृष्टि से भी अनेक उपक्रम किये। 19 फरवरी 1999 को सदा-ए-सरहद नाम से दिल्ली से लाहौर तक बस सेवा शुरू की गई। कुछ ही समय पश्चात पाकिस्तान के तत्कालीन सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ की शह पर पाकिस्तानी सेना व उग्रवादियों ने कारगिल क्षेत्र में घुसपैठ करके कई पहाड़ी चोटियों पर कब्जा कर लिया। अटल सरकार ने पाकिस्तान की सीमा का उल्लंघन न करने की अंतर्राष्ट्रीय सलाह का सम्मान करते हुए धैर्यपूर्वक किंतु ठोस कार्यवाही करके भारतीय क्षेत्र को मुक्त कराया। अटल बिहारी वाजपेयी चाहे प्रधानमंत्री के पद पर रहे हों या नेता प्रतिपक्ष- बेशक देश की बात हो या क्रान्तिकारियों की, या फिर उनकी अपनी ही कविताओं की, नपी-तुली और बेवाक टिप्पणी करने में अटलजी कभी नहीं चूके। भारत को लेकर उनकी स्वतंत्र सोच एवं दृष्टि रही है-ऐसा भारत जो भूख, भय, निरक्षरता और अभाव से मुक्त हो। उनकी कविता जंग का ऐलान है, पराजय की प्रस्तावना नहीं। वह हारे हुए सिपाही का नैराश्य-निनाद नहीं, जूझते योद्धा का जय-संकल्प है। वह निराशा का स्वर नहीं, आत्मविश्वास का जयघोष है। उन्होंने विज्ञान की शक्ति को बढ़ावा देने के लिए लाल बहादुर शास्त्री के नारे जय जवान जय किसान में बदलाव किया और ह्यजय जवान, जय किसान, जय विज्ञान का नारा दिया। वे जितने कद्दावर के राजनीतिज्ञ थे उतने ही गहन आध्यात्मिक भी थे। उन्होंने राजनीतिक समस्याओं के अतिरिक्त धार्मिक तथा सांस्कृतिक विषयों पर भी साधिकार कलम चलाई, एक नई दृष्टि एवं दिशा दी। इस दृष्टि से वे एक महा- राष्ट्रनायक, साहित्यकार, विचारक, महामनीषी एवं चिन्तक थे।

इस शताब्दी के भारत के महान सपूतों की सूची में कुछ नाम हैं जो अंगुलियों पर गिने जा सकते हैं। अटल बिहारी वाजपेयी का नाम प्रथम पंक्ति में होगा। मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे वाजपेयीजी से मिलने के अनेक अवसर मिले, रायसीना हिल पर अणुव्रत आन्दोलन एवं आचार्य तुलसी के कार्यक्रमों के सिलसिले में अनेक बार मिला। प्रधानमंत्री रहते 7 रेसकोर्स रोड पर तीन-चार मुलाकातें हुई। एक बार उनके जन्म दिन पर कृष्णा मेनन मार्ग पर भी उनके दर्शनों का दुर्लभ अवसर मिला। उनमें गजब का अल्हड़पन एवं फक्कड़पन था। वे हमेशा बेपरवाह और निश्चिन्त दिखाई पड़ते थे, प्रायः लोगों से घिरे रहते थे और हंसते-हंसाते रहते थे। उनके जीवन के सारे सिद्धांत मानवीयता एवं राष्ट्रीयता की गहराई से जुड़े थे और उस पर वे अटल भी रहते थे। किन्तु किसी भी प्रकार की रूढ़ि या पूर्वाग्रह उन्हें छू तक नहीं पाता। वे हर प्रकार से मुक्त स्वभाव के थे और यह मुक्त स्वरूप भीतर की मुक्ति का प्रकट रूप है। भारतीय राजनीति की बड़ी विडम्बना रही है कि आदर्श की बात सबकी जुबान पर है, पर मन में नहीं। उड़ने के लिए आकाश दिखाते हैं पर खड़े होने के लिए जमीन नहीं। दर्पण आज भी सच बोलता है पर सबने मुखौटे लगा रखे हैं। ऐसी निराशा, गिरावट व अनिश्चितता की स्थिति में वाजपेयीजी ने राष्ट्रीय चरित्र, उन्नत जीवन शैली और स्वस्थ राजनीति प्रणाली के लिए बराबर प्रयास किया। वे व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र के बदलाव की सोच से सामने आये। ह्यसाइनिंग इंडियाह्य उदय भारत के सपने को देखते रहे। उनका समूचा जीवन राष्ट्र को समर्पित एक जीवन यात्रा का नाम है- आशा को अर्थ देने की यात्रा, ढलान से ऊंचाई देने की यात्रा, गिरावट से उठने की यात्रा, मजबूरी से मनोबल की यात्रा, सीमा से असीम होने की यात्रा, जीवन के चक्रव्यूहों से बाहर निकलने की यात्रा। 100वीं जन्म जयन्ती पर हम बार-बार उनकी तड़प को प्रणाम करते हैं। उस महापुरुष के मनोबल को प्रणाम करता है!

संसद के कलुषित परिवेश का जिम्मेवार कौन?

-प्रियंका सौरभ

पिछले कुछ दिनों से संसद में जो कुछ हो रहा है, उससे देश निराश है। संसद चलाकर ही सरकार विपक्ष के सवालों के जवाब सही ढंग से दे सकती है। हंगामे के माहौल में सांसदों को अपनी बात रखने का मौका ही नहीं मिलता। कोई बच्चा भी समझ सकता है वेल में जाकर नारेबाजी और हंगामा कर सदन की कार्यवाही रोकने से कैसे विरोध जताया जा सकता है। अच्छी बात तो तब कही जाएगी, जब आप अपने सवाल साफ-साफ रखें और सरकार साफ-साफ जवाब दे पाए। लेकिन इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि संसद की कार्रवाई में बाधा अपवाद की बजाय नियम बन गया है और हमारे राजनेताओं को इस पर कोई पछतावा नहीं होता है। पिछले वर्षों में यह गिरावट बड़ी तेजी से आई है। सांसद एक-दूसरे पर चिल्लाते हैं, विधायी कागजों को छीनकर फाड़ देते हैं, छोटे से मुद्दे पर सदन के बीचों-बीच आ जाते हैं। पिछले वर्षों में ज्यादातर विधेयकों को बिना चर्चा के ही पारित किया गया है। यह संसदीय प्रणाली का दुरुपयोग है। अब विपक्षी पार्टियों और कुछ सांसदों ने संसद की दुर्गति कर रखी है। दोनों सदनों में निजी एजेंडों को लेकर अनुत्पादक हंगामा कर कार्यवाही ठप करा देना आम बात है। संसद में शोर-शराबा, वेल में जाकर नारेबाजी करना, एक-दूसरे पर निजी कटाक्ष करना यहां तक कि कई बार हाथापाई पर उतारू हो जाना आज संसद की आम तस्वीर है। आखिर सियासी पार्टियों और सांसदों का बर्ताव इतना अराजक क्यों हो गया है? क्या आज पार्टियों के निहित स्वार्थों ने संसद को मजाक बनाकर रख दिया है।

सांसदों के रवैये को देखते हुए लगता नहीं है कि उसकी मंशा देश के विकास की योजनाएं बनने देने की है। ऐसा लग रहा है कि सांसदों ने पूरे संसदीय लोकतंत्र को बंधक बना लिया है। क्योंकि लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही आजकल टीवी पर लाइव दिखाई जाती है, लिहाजा देश का आम आदमी भी वह सब कुछ देखता है, जो संसद में रोज हो रहा है। आखिर सांसद लोगों के सामने अपनी क्या छवि पेश कर रहे हैं? जरा सोचिए कि देश के लोगों के मन में आपकी क्या छवि बनती जा रही है?

यह सच है कि इस गिरावट का कारण यह है कि राजनीति आज संख्या का खेल बन गई है जिसके चलते क्षेत्रीय क्षत्रप अपनी मनमर्जी कराने के लिए दबाव डालते हैं। वे न केवल दादागिरी की राजनीति में विश्वास करते हैं अपितु सफल संसद सत्र के पैमाने को ह्यजिसकी लाठी, उसकी भैंसह्व भी बनाते हैं। आज विषय-वस्तु की बजाय आकार महत्वपूर्ण बन गया है जिसके चलते संसद में गली-मोहल्लों के झगड़ों जैसे दृश्य देखने को मिलते हैं। इसलिए इस गिरती राजनीतिक संस्कृति और नैतिक मूल्यों में संसदीय कार्रवाई में राजनीति को प्रभावित करने वाली विषय सामग्री नहीं मिलती है।

कुल मिलाकर ऐसा लगता है कि संसद अब महज एक स्कोरिंग क्लब बन कर रह गई है। बहुतों को पता होगा कि संसद की एक मिनट की कार्यवाही पर ढाई लाख रुपए खर्च हो जाते हैं। इस तरह एक दिन की सामान्य कार्यवाही पर औसतन छह करोड़ रुपए का खर्च आता है। जिस दिन कार्यवाही लंबी चलती है, उस दिन खर्च और बढ़ जाता है। जरा सोचिए कि यह पैसा आता कहां से है। जाहिर है कि देश के आम लोगों की जेब से ही आता है। लोकतंत्र में इससे बड़ा और क्या मजाक होगा कि संसद की कार्यवाही लगातार ठप रहे या फिर दिन भर रह-रह कर हंगामा होता रहे, फिर भी एक दिन में छह करोड़ रुपए खर्च हो जाएं। जरा सोचिए कि छह करोड़ रुपए से क्या-क्या हो सकता है? हजारों गांवों की किस्मत संसद की एक दिन की कार्यवाही पर होने वाले खर्च से बदल सकती है। लाखों गरीब लड़कियों की शादी हो सकती है। लघु और कुटीर उद्योगों से हजारों नौजवानों की किस्मत संवर सकती है। लेकिन सांसद यह सब नहीं सोचते। विकास की योजनाएं भले न बनें, व्यक्तिगत हित जरूर सुधरने चाहिए। क्या सांसद देश से ऊपर हो गए हैं?

एक बात और सारे सांसद हंगामेबाज हों, ऐसी बात नहीं हैं। जो कामकाज को लेकर गंभीर हैं, वे कुछ नहीं कर पाते। सवाल है कि सांसद हर बार माहौल क्यों नहीं बनाते? क्या सांसद केवल हंगामा करने के लिए ही पहुंचते हैं? सांसदों ने लोकसभा को पंगु बना कर रख दिया है। हकीकत यह है कि लोकतंत्र का लोक यानी देश की जनता लोकसभा का चुनाव सीधे तौर पर करती है। ऐसे में अप्रत्यक्ष रूप से चुने गए सदन को लोक के सदन यानी लोकसभा की गरिमा का सम्मान करना चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि लोकसभा में हुए हर काम में अड़ंगा डाल दिया जाए।

लोकसभा में तय दिनों में सभी सांसदों को तीन-तीन मिनट ही सही, अपने चुनाव क्षेत्र के बारे में बोलने दिया जाए। बार-बार हंगामा करने वाले सांसदों को चिन्हित किया जाए और उनकी सूची प्रचारित कराई जाए। ऐसे नियम बनाए जाएं कि वेल में आने या पर्चा लहराने या दूसरा किसी भी किस्म का हंगामा करने वाले सांसद के खिलाफ खुद-ब-खुद कोई तय कार्यवाही हो जाए। कुछ सांसद वॉकआउट करने के बाद दोबारा सदन में क्यों आ जाते हैं? केवल दिखावा करने के लिए ऐसा करते हैं, उन्हें देश के विकास से कोई लेना-देना नहीं है।

वे संसद में कुछ कर नहीं पा रहे हैं और उधर उनके लोकसभा क्षेत्र की जनता त्रस्त, क्योंकि वे उनकी समस्याएं सुलझा ही नहीं पा रहे हैं, क्योंकि संसद में केवल हंगामा हो रहा है। इसलिए संसद को अखाड़ा बनने से रोकें। नेतृत्व को भी अपनी बात समझाएं, उनके हर गलत-सही आदेश का आंख मूंदकर पालन न करें। लोकतंत्र के पवित्र मंदिर की गरिमा बचाए रखना सांसदों का प्रथम काम है। संसद को महत्वहीन बनाने के खतरनाक आयामों को शायद ये लोग नहीं समझते हैं। हमारी संसद हमारे राष्ट्र की आधारशिला है जो जनता का प्रतिनिधित्व करती है और जिससे अपेक्षा की जाती है कि वह हमारे राष्ट्रीय हितों पर संप्रभु निगरानी रखे। सरकार संसद के प्रति उत्तरदायी है और सरकार का अस्तित्व उस पर लोकसभा के विश्वास पर निर्भर करता है। अतः समय आ गया है कि हमारे सभी सांसद इस बात पर ध्यान दें कि संसदीय लोकतंत्र को कैसे मजबूत किया जा सकता है। अन्यथा जनता ही उसका उपहास करने लगेगी। हमारे सांसदों को इस बात पर विचार करना चाहिए कि वे किस तरह की विरासत छोड़ कर जा रहे हैं। क्या वे संसद को इसके पतन के भार के नीचे दबने देंगे? आज जो हो रहा है, वो हम देख ही रहे हैं। उम्मीद है कि देश के सांसदों को, सांसद चलाने वालों को इस बात का भान जल्द हो कि देश का नागरिक उन्हें कितनी उम्मीद के साथ देखता है। साथ ही उन्हें कई मौकों पर उदाहरण की तरह रखता है।

संसद में शोर-शराबा, वेल में जाकर नारेबाजी करना, एक-दूसरे पर निजी कटाक्ष करना यहां तक कि कई बार हाथापाई पर उतारू हो जाना आज संसद की आम तस्वीर है। आखिर सियासी पार्टियों और सांसदों का बर्ताव इतना अराजक क्यों हो गया है? क्या आज पार्टियों के निहित स्वार्थों ने संसद को मजाक बनाकर रख दिया है। अब समय आ गया है कि हमारे सभी सांसद इस बात पर ध्यान दें कि संसदीय लोकतंत्र को कैसे मजबूत किया जा सकता है। अन्यथा जनता ही उसका उपहास करने लगेगी। हमारे सांसदों को इस बात पर विचार करना चाहिए कि वे किस तरह की विरासत छोड़ कर जा रहे हैं। क्या वे संसद को इसके पतन के भार के नीचे दबने देंगे? आज जो हो रहा है, वो हम देख ही रहे हैं। उम्मीद है कि देश के सांसदों को, सांसद चलाने वालों को इस बात का भान जल्द हो कि देश का नागरिक उन्हें कितनी उम्मीद के साथ देखता है। साथ ही उन्हें कई मौकों पर उदाहरण की तरह रखता है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में सुधार की गुंजाइश या संविधान के नाम पर सिर्फ हंगामा

संजीव ठाकुर

आज राजनीति का स्तर जिस तीव्रता से स्खलित होते जा रहा है। अब उनसे किसी भी तरह की सांस्कृतिक संस्कारी आचार संहिता का पालन करने की उम्मीद और आशा नहीं की जा सकती है। राजनीति दिशाहीन,सिद्धांत-विहीन हो गई है। पद और सत्ता का लालच राजनीतिक पार्टियों का अंतिम लक्ष्य हो गया है। आज जिस तरह से राजनीतिक पार्टियां राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव के समय सांसदों की अफरा-तफरी और विधायकों की खरीद-फरोख्त मैं मशगूल हो रही है, जातिवाद अवसरवाद पद लोलुपता सिर चढ़कर बोलने लगी है। निश्चित तौर पर लोकतंत्र शर्मिंदा होकर खंडित होने लगा है। संविधान की निर्मात्री सभा के सपने चूर चूर हो रहे हैं यह भारतीय लोकतंत्र के लिए अच्छे दूरगामी परिणामों के संकेत नहीं है। पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम जी ने कहा कि लोकतंत्र या प्रजातंत्र शब्द ग्रीक भाषा से अवतरित अंग्रेजी शब्द डेमोक्रेसी का हिंदी रूपांतरण है, जिसका सीधा सीधा अर्थ होता है प्रजा अथवा जनता द्वारा परिचालित शासन व्यवस्था। किंतु अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की परिभाषा सर्वमान्य रूप से प्रचलित है जिसके अनुसार प्रजातंत्र या लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा, शासन है। उन्होंने इस कथन के तर्क में कहा क्योंकि मैं गुलाम नहीं होना चाहता,इसीलिए मुझे शासक भी नहीं होना चाहिए, यही विचार मुझे लोकतंत्र की ओर अग्रेषित करता है। मणिपुर की शर्मनाक हिंसात्मक घटना के बाद सारी की सारी लोकतांत्रिक व्यवस्था चरमरा गई है और समस्त प्रतिमान धारासाही हो गए दूसरी तरफ राजनैतिक हिंसक घटनाओं के पीछे यदि कारण खोजे जाएं तो राजनीतिक पार्टियों के एजेंडा में ही कई कारण मिल जाएंगे।अफगानिस्तान में तालिबानी आतंकवादियों द्वारा कब्जे के बाद वैश्विक अशांति का दौर चल रहा है, रूस यूक्रेन युद्ध औपनिवेशिकवाद तथा विस्तार वादी मंसूबों का परिणाम ही है । इसके अलावा अधिकांश लोकतांत्रिक देश इस अशांति से भयभीत और घबराए हुए और अपनी आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने में लग गए हैं। तालिबान आतंकवादियों द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जे से तालिबानी सोच पूरे विश्व में धीरे-धीरे फैलआने लगी है। खासकर लोकतांत्रिक देश जहां बोलने, सुनने, कहने और अपनी मनमर्जी करने की आजादी है, वहां लोकतंत्र का फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्व हिंसा का घिनौना खेल खेलने से नहीं चूक रहे हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर दुर्गा पंडाल पर हमला कर दिया जाता है, यह एक तालिबानी सोच का सबसे बड़ा उदाहरण है। पाकिस्तान में सिखों को चुन-चुन कर मारा जाना भी इसी सोच का परिणाम है। लखीमपुर खीरी में बवाल मचाने वाले अनेक नेता जम्मू कश्मीर में अल्पसंख्यकों के जघन्य हत्याकांड पर अजीब तरीके से चुप हैं और उनकी सहानुभूति के लिए एक शब्द उनके मुंह से नहीं निकल रहे हैं। आज हर व्यक्ति, हर पार्टी, हर समूह के लिए लोकतंत्र के मायने अलग-अलग हैं। जब तक इनका उल्लू सीधा होता रहता है तब तक यह लोकतंत्र की दुहाई देते हैं, इनका स्वार्थ सधने के बाद लोकतंत्र हवा में वाष्पित हो जाता है। भारत जैसे विशाल देश में इसे विश्व में सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक लोकतांत्रिक देश के रूप में जाना जाता है, इस देश में जिसकी मूल आत्मा ही प्रजातंत्र, लोकतंत्र है,यही पर यदि लगातार अलोकतांत्रिक घटनाएं होती रहेंगी और अलोकतांत्रिक व्यवहार दर्शित होता रहेगा तो लोकतंत्र की मूल भावना न सिर्फ आहत होगी बल्कि गायब भी होना शुरू हो जाएगी। यहीं से लोकतंत्र के स्खलन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। हम सारी अनुकूल प्रतिकूल परिस्थितियों पर गंभीरता के साथ विचार करें, तो पाएंगे कि प्रजातांत्रिक व्यवस्था में जन्मी समस्याओं के पीछे शासन तंत्र नहीं बल्कि जनता के बड़े वर्ग का नेतृत्व करने वाले समूह इसका जिम्मेदार है। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने कहा था कि जो लोग शासन करते हैं उन्हें देखना चाहिए कि लोग साथ प्रशासन पर किस तरह प्रतिक्रिया जाहिर करते हैं, क्योंकि प्रजातंत्र में अंतर मुखिया जनता ही होती है, दूसरी तरफ आम नागरिकों का मार्ग प्रशस्त करते हुए कहा कि कानून का सम्मान किया जाना चाहिए ताकि हमारे लोकतंत्र की बुनियाद एवं उसकी संरचना बरकरार रहे और साथ ही मजबूती के साथ खड़ी रहे। भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का भी कहना है कि लोकतंत्र में जनमत हमेशा निर्णायक होता है और हमें इसे विनम्रता से स्वीकार करना पड़ेगा। हम सभी देशवासियों को प्रजातंत्र की सफलता हेतु सजग एवं सचेत रहकर अपने अधिकारों का सदुपयोग करते हुए अपने कर्तव्यों का भी पूर्ण निष्ठा से पालन करना होगा। जवाहरलाल नेहरु जी ने भी कहा था कि प्रजातंत्र और समाजवाद लक्ष्य पाने के साधन हैं, स्वयं लक्ष्य नहीं। भारत के संदर्भ में लोकतंत्र है प्रजातंत्र के बारे में यही कहा जा सकता है कि यदि जनता अशिक्षित हो या अधिक समझदार ना हो तब प्रजातंत्र की खामियां सबसे ज्यादा सामने आती है। यदि जनता अति शिक्षित एवं समझदार है तो इसे सर्वोत्तम शासन व्यवस्था कहा जा सकता है क्योंकि किस प्रणाली में जनता को अपनी बात रखने का पूर्ण अधिकार प्राप्त होता है। प्रजातंत्र की सफलता के लिए जनता को सजग एवं सचेत रहकर अपने अधिकारों का सदुपयोग कर अपने कर्तव्यों का भी निष्ठा से पालन करना चाहिए।

सर्व समाज में 40 साल तक उम्र की बहुत सी लड़कियां बैठी है कुंवारी

-राजकुमार सोनी

21वीं सदी में हर समाज हर धर्म में परिवर्तन देखने को मिला है लेकिन कहीं कुछ ऐसे परिवर्तन भी देखने को मिले हैं कि लोगों ने संबंध बनाना तो दूर निभाना भी खत्म कर दिया है। रिश्ते नाते जहां सालों साल चलते थे तीज त्योहार पर आना जाना लगा रहता था और डिजिटल इंडिया ना होने के बाद भी प्रेम भाव से लोग हालचाल पूछने बसों, ट्रैक्टर ट्राली और तो और बैल गाड़ियों से लोग एक जमाने में पहुंचते थे। लेकिन आज हर एक सुविधाएं होने के बाद धीरे-धीरे प्रेमभाव और समाज के लोगों को अपने कामकाज से फुर्सत ही नहीं बची है। वही देखने में आ रहा है कि सुख सुविधाएं और हर चीज में स्टैंडर्ड में इतना बदलाव ला दिया है कि लोग अपनी उम्र को ही भूल गए हैं। वहीं राष्ट्रीय स्वर्णकार विवाह मंच ऐसा मंच है जो रिश्तो को जोड़ने एवं संबंध कराने में विगत वर्षों से तात्पर्य है। लोग जहां खटास डालने और एक दूसरे की बुराई कर-के घर तोड़ने में अपना काम करते हैं वहां राष्ट्रीय स्वर्णकार विवाह मंच की टीम बायो प्रसारण के माध्यम से आए दिन संबंध कराने में लगे हुए हैं। राष्ट्रीय स्वर्णकार विवाह मंच के संस्थापक संचालक राजकुमार सोनी ने लेख लिखकर अपने स्वर्णकार समाज के प्रति चिंता जाहिर की है उन्होंने लिखा है कि माता पिता की अति महत्वाकांक्षा से 35-40 उम्र की कुँवारी लड़कियाँ घर बैठी हैं। अगर अभी भी माँ-बाप नहीं जागे तो स्थितियाँ और घातक हो सकती है। हमारा स्वर्णकार समाज आज बच्चों के विवाह को लेकर इतना सजग हो गया है कि आपस में रिश्ते ही नहीं हो पा रहे हैं। स्वर्णकार समाज में आज 40 उम्र तक की बहुत सी कुँवारी लडकियाँ घर बैठी है, क्योंकि इनके सपने हैसियत से भी बहुत ज्यादा है इस प्रकार के कई उदाहरण है। ऐसे लोगों के कारण समाज की छवि बहुत खराब हो रही है। सबसे बड़ा मानव सुख, सुखी वैवाहिक जीवन होता है। पैसा भी आवश्यक है, लेकिन कुछ हद तक। पैसे की वजह से अच्छे रिश्ते ठुकराना गलत है। पहली प्राथमिकता सुखी संसार व अच्छा घर परिवार होना चाहिये। ज्यादा धन के चक्कर मे अच्छे रिश्तों को नजर- अंदाज करना गलत है। संपति खरीदी जा सकती हैं लेकिन गुण नहीं। राष्ट्रीय स्वर्णकार विवाह मंच का मानना है कि घर परिवार और लड़का अच्छा देखें लेकिन ज्यादा के चक्कर में अच्छे रिश्ते हाथ से नहीं जाने दें। सुखी वैवाहिक जीवन जिए 30 की उम्र के बाद विवाह नहीं होता, समझौता होता है और मेडिकल स्थिति से भी देखा जाए तो उसमें बहुत सी समस्याएँ उत्पन्न होती है।

श्री सोनी बताते है कि आज उससे भी बुरी स्थिति कुंडली मिलान के कारण हो गई हैं। आप सोचिए जिनके साथ कुंडली मिलती है लेकिन घर और लड़का अच्छा नहीं और जहाँ लड़के में सभी गुण हैं वहां कुण्डली नहीं मिलती और हम सब कुछ अच्छा होने के कारण भी कुण्डली की वजह से रिश्ता छोड़ देते हैं, आप सोच के देखें जिन लोगो के 36 में से 20 या फिर 36/36 गुण भी मिल गए फिर भी उनके जीवन मे तकलीफें हो रही है। क्योंकि हमने लड़के के गुण नही देखे। कुंडली मिलान के गुण देखे। पंडितों ने पढे लिखे आधुनिक समाज को एक सदी और पीछे धकेल दिया कुंडली मिलान, कुण्डली मिलान इस चक्कर में अच्छे रिश्ते नहीं हो पा रहे हैं और ये कुन्डली का बिजनेस आज करोड़ों रुपए का हो गया है, सुबह टेलीविजन चालू करते ही पण्डित जी आपका भविष्य बताने लग जाते है और उनको खुद के भविष्य का पता नहीं होता कि उनकी बेटा या बेटी की आगे स्थिति क्या होंगी। आजकल समाज में लोग बेटी के रिश्ते के लिए (लड़के में चौबीस टंच का सोना खरीदने जाते है, देखते-देखते चार पांच साल व्यतीत हो जाते है, उच्च शिक्षा या जॉब के नाम पर भी समय व्यतीत कर देते हैं। आप कहती हैं लड़के देखने का अंदाज भी समय व्यतीत का अनोखा उदाहरण हो गया है? खुद का मकान है कि नहीं? अगर है तो फर्नीचर कैसा है? घर में कमरे कितने हैं? गाड़ी है की नहीं? है तो कौनसी है ? रहन-सहन, खान-पान कैसा है? कितने भाई-बहन है? बंटवारे में माँ-बाप किनके गले पड़े हैं? बहन कितनी हैं, उनकी शादी हुई है कि नहीं? माँ-बाप का स्वभाव कैसा है? घर वाले, नाते-रिश्तेदार आधुनिक ख्यालात के हैं कि नहीं ? बच्चे का कद क्या है? रंग-रूप कैसा है? शिक्षा, कमाई, बैंक बैलेंस कितना है? लड़का-लड़की सोशल मीडिया पर एक्टिव है कि नहीं? उसके कितने दोस्त हैं? सब बातों पर पूछताछ पूरी होने के बाद भी कुछ प्रश्न पूछने में और सोशल मीडिया पर वातालाप करने में और समय व्यतीत हो जाता है। हालात को क्या कहे माँ बाप की नींद ही खुलती है 30 की उम्र पर फिर चार-पाँच साल कि यह दौड़-धूप बच्चों की जवानी को बर्बाद करने के लिए काफी है। इस वजह से अच्छे रिस्ते हाथ से निकल जाते हैं। और माँ-बाप अपने ही बच्चों के सपनों को चूर चूर-चूर कर देते हैं। एक समय था जब खानदान देख कर रिश्ते होते थे। वो लम्बे भी निभते थे। समधी समधन में मान मनुहार थी। सुख-दुःख में साथ था। रिश्ते-नाते कि अहमियत का अहसास था। चाहे धन-माया कम थी मगर खुशियाँ घर आँगन में झलकती थी। कभी कोई ऊँची-नीची बात हो जाती थी तो आपस में बड़े-बुजुर्ग संभाल लेते थे। तलाक शब्द रिश्तों में था ही नहीं, दाम्पत्य जीवन खट्टे-मीठे अनुभव में बीत जाया करता था। दोनों एक- दूसरे के बुढ़ापे की लाठी बनते थे और पोते-पोतियों में संस्कारों के बीज भरते थे। अब कहां हैं वो संस्कार ? आँख की शर्म तो इतिहास हो गई। नौबत आ जाती है रिश्तों में समझौता करने की लड़का-लड़की अपने समाज के नहीं होंगे तो भी चलेगा, ऐसी बातें भी सामने आ रही है। आज समाज की लडकियाँ और लड़के खुले आम दूसरी जाति की तरफ जा रहे है और दोष दे रहे हैं कि समाज में अच्छे लड़के या लड़कियाँ मेरे लायक नहीं हैं। कारण लड़कियाँ आधुनिकता की पराकाष्ठा पार कर गई हैं।

ईश्वर पुत्र ईसा मसीह जो मरकर भी जी उठा

क्रिसमस ईसाई धर्म के प्रणेता यीशु के जन्म दिवस के अवसर पर मनाया जाने वाला उत्सव है। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार यीशु का जन्म यहूदा प्रदेश के बैतलहम ग्राम में हुआ था। बाइबिल के अनुसार यह आश्चर्यजनक तथ्य है कि जो व्यक्ति आज से दो हजार अधिक साल पहले 25 दिसम्बर को पैदा हुआ माना जाता है, वह मृत्यु के बाद पुनः जी उठा था। इस महान

आत्मा के जन्म के समय पूर्व देश के ज्योतिष शास्त्रियों ने एक अद्भुत अदभुत दीप्तिमान चलायमान तारा देखा था। कहा जाता है कि कई ज्योतिषी उस महान बालक को प्रणाम करने हेतु पहुँचे, पर सिर्फ तीन ज्योतिषी ही बालक के दर्शन कर सके, शेष कठिन मार्ग को पार न का सके और बीच में ही भटक गए। तीनो ज्योतिषियों ने शिशु यीशु को प्रणाम कर तीन वस्तु भेंट में चढाई सोना, लोभान, और गंध रस। ये तीनों वस्तु पवित्र राजकीय भेंट की प्रतीक हैं। यीशु के जन्म के साथ ही आश्चर्य जनक घटनाएँ भी घटित हुई, अर्थात स्वर्गदूतों का गड़रियों को यह संदेश देना कि आज दाउद के नगर में तुम्हारे लिये एक उद्दारकर्ता का जन्म हुआ है। वही मसीह प्रभु है। और स्वर्ग का गीत गाना कि ₹आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न हैं, शाँति व्याप्त हो।₹ फिर ज्योतिषियों का पूर्व से जाकर बालक को प्रणाम करना। यीशु के पैदाईश के कितने वर्षो पहिले नबीयों का मसीह के आने की बातें की गई की कि ईस्ट इजराइल में से आएगा, दाऊद के घराने और यहूदा के गोत्र में पैदा होगा, वह एक कुमारी से पैदा होगा और बैतलहम में पैदा होगा। साथ ही यह भी भविष्यवाणी की गई कि तब बीज के टूट में से एक आखा कलवंत होगी। यह बालक कौन होगा? बाट जोहने वालों के मन में यह दृढ विचार था कि यह अवश्य मसीह है। जो कि परमेश्वर की प्रतिज्ञा के अनुसार आने वाला था। उसकी विशेषता किसी को पूरी रीति से मालूम नहीं थी। ये भविष्यवाणियाँ यीशु खीस्ट में पूरी हुई। जब यूहन्ना बपतिस्मा देने वना नदी के पास लोगों को बपतिस्मा देता था, उस समय यीशु ने भी उसके पास जाकर बपतिस्मा माँगा। उस समय ईश्वर ने आश्चर्यजनक रीति से प्रगट किया कि यह मेरा पुत्र है। पवित्र आत्मा श्वेत कबूतर के रूप में यीशु पर उतर कर उस पर ठहर गया। इस तरह मनुष्यों के सामने ईश्वर की छाप लगाई गई। पौलुस प्रेरित ने एक जगह लिखा है कि यीशु के जी उठने के कारण संसार को इसका निश्चय होता है कि वह परमेश्वर का पुत्र है। मृतकों में से जी उठने से उनका ईश्वरत्व लोगों पर निश्चय ही प्रगट हो गया। यीशु जब बारह साल के थे तब उनके माता पिता उन्हें फसह का पर्व मनाने के लिये येरुशलम ले गये। इस त्यौहार को यहूदी बड़ी धूमधाम से मनाते है। त्यौहार मनाकर उसके माता पिता नागरत की ओर वापस काफिले के साथ थे, पर यीशु उनके साथ नहीं था एक दिन का पड़ाव निकल जाने के बाद जब उन लोगों ने यीशु को नहीं देखा तो वे पुनः येरुशलम आकर यीशु की तलाश करने लगे। तीन दिनों के पश्चात उन्होंने यीशु को। मंदिर में धर्म गुरुओं के बीच बैठे हुये पाया, जो उनसे बात करते हुये अपनी जिज्ञासाएँ शाँत करने के लिये प्रश्न पूछ रहा था। उसकी बुद्धि पर पास बैठे सभी लोग काफी चकित थे। यही तीन दिन अल्पवयस्क यीशु के लिये महत्वपूर्ण साबित हुये, जब उन्हें आत्म ज्ञान हुआ कि उनके परमात्मा ने दुखियों का दुख दूर करने तथा पापियों को पुनः पाप कर्म न कर ईश्वर की और मन लगाने का ज्ञान देने हेतु भेजा है।

राष्ट्रीय परशुराम सेना की कार्यकारणी का वार्षिक बैठक

मुंबई (उत्तरशक्ति)। ब्राम्हण समाज के हित में कार्य कर रही 'राष्ट्रीय परशुराम सेना' का वार्षिक कार्यकारणी बैठक दिवा में सम्पन्न हुई।इस बैठक में मुलुंड, भांडुप, बोरीवली,नालासोपारा, पनवेल, दिवा,कल्याण सहित पूरे मुंबई से पदाधिकारियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर महाराष्ट्र अध्यक्ष सचिन चौबे ने कहा, संगठन को हमें और मजबूत बनाने की लिए जमीनी स्तर पर और तेजी से कार्य करना होगा जिसके लिए हम सब तैयार हैं । सेना के राष्ट्रीय सचिव अविनाश दिनेश पांडेय ने कहा की हम विप्र समाज के सुख में भले न पहुँचे लेकिन दुख में सबसे पहले पहुँचने का प्रयास करना होगा। उन्होंने आगे कहा समय आ गया है की निर्बल,वंचित, पिछड़े ब्राम्हणों हित के लिए हम और जमीनी स्तर पर जुड़कर ब्राह्मणों को भी आरक्षण देने के लिए सरकार से मांग करना होगा। साथ ही हर कार्यकर्ता अन्य समाज का सन्मान करते हुए अपने आसपास के सभी ब्राम्हण को सेना से जोड़ने का प्रयास करें। इसी कड़ी में सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश पांडेय ने किस तरह से संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला ने उत्तर प्रदेश में ब्राह्मणों के हित के लिए कार्य किया उसकी जानकारी देते हुए कहा इसी तरह मुंबई में भी हम सब लगातार समाज के लिए मजबूती से कार्य करेंगे। सेना के राष्ट्रीय संयोजक संजय शर्मा ने कहा की हमें समाज के उत्थान के लिए ध्यान रखना होगा की ब्राह्मण समाज के अंतिम पायदान पर खड़े हर व्यक्ति तक हम पहुंचकर हर संभव मदद करें। इस अवसर पर संतोष शुक्ला, बालमुकुंद शुक्ला, अधिवक्ता नेहा मिश्रा,निशा दुबे, कृष्णकांत शुक्ला,आशीष पांडेय,मुन्ना मिश्रा सहित आदि गणमान्यों ने अपने-अपने विचार रखे और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लेकर आधुनिक तरीके से विप्र समाज को राष्ट्रीय परशुराम सेना से जोड़ने की बात कही। अविनाश पांडेय ने सबका आभार प्रकट किया।

भारत में बदल रहे हैं शादियों के ट्रेंड्स: विंधम रिसर्च

मुंबई। भारत में शादी करने के तौर-तरीकों में बदलाव देखा जा रहा है। विंधम होटल्स एंड रिसॉर्ट्स द्वारा जारी एक नई रिपोर्ट में भारतीय शादी की योजनाओं में हो रहे दिलचस्प बदलावों का खुलासा किया गया है। बदलाव संबंधी यह रिपोर्ट हाल ही में सगाई या शादी कर चुके 1,000 लोगों के सर्वेक्षण पर आधारित है, जिसमें बताया गया है कि गोवा, उदयपुर और जयपुर जैसी जगहें अब भी शादी के लिए सबसे पसंदीदा गंतव्य स्थान बनी हुई हैं। दूसरी तरफ, दार्जिलिंग, अमृतसर, मसूरी और देहरादून जैसे सुंदर और शांत स्थान भी तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। ये जगहें अपनी प्राकृतिक खूबसूरती और अनोखेपन के कारण कपल्स (युगलों) को आकर्षित कर रही हैं। यह बदलाव इस बात को दशार्ता है कि आज के युगल अपने खास दिन को पारंपरिक तरीकों से अलग हटकर और भी ज्यादा निजी, यादगार और खास बनाना चाहते हैं। इस रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि आज की शादियों में परिवार और दोस्तों के साथ स्थायी यादें बनाने पर खास ध्यान दिया जा रहा है। बड़ी और कई दिनों तक चलने वाली शादियों का चलन फिर से लौटता हुआ दिख रहा है। युवा पीढ़ी, खासकर नई पीढ़ी (जेन जी), अपनी शादी में बजट का ध्यान रखते हुए भी भव्यता का एक अच्छा संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है। वे शादी की योजना बनाते समय व्यावहारिक दृष्टिकोण अपना रहे हैं। यह बदलाव दिखाता है कि लोग अब प्रामाणिक और अपनी जरूरतों के अनुसार अनोखे समारोहों को प्राथमिकता दे रहे हैं। ये समारोह न केवल परंपराओं का सम्मान करते हैं, बल्कि स्थिरता और नई तकनीकों जैसे आधुनिक पहलुओं को भी अपना रहे हैं। देश भर में लगभग 60 होटलों और कई खूबसूरत जगहों पर मौजूदगी के साथ, विंधम होटल्स एंड रिसॉर्ट्स हर शादी के लिए उपयुक्त स्थान, उसकी भव्यता (व्यापकता) और बजट के अनुसार शानदार व्यवस्था प्रदान करता है। पर्यावरण संरक्षण और तकनीकी प्रगति को ध्यान में रखते हुए, विंधम शादी के बदलते रुझानों को समझने और उन्हें बेहतर बनाने के लिए तत्पर है। यह जोड़ों को उनके खास दिन को यादगार बनाने के लिए हर संभव सुविधा और सेवा प्रदान करता है।

होंडा मोटरसाइकल एण्ड स्कूटर इंडिया ने लॉन्च की नई 2025 एसपी 125

मुंबई। होंडा मोटरसाइकल एण्ड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने नई 2025 एसपी125 को लॉन्च किया है, जो OBD2B मानकों के अनुरूप है। इस नई बाइक में अत्याधुनिक तकनीक, आकर्षक डिजाइन और उन्नत खूबियों का शानदार संयोजन किया गया है। नई एसपी125 की शुरूआती कीमत (एक्स-शोरूम दिल्ली) रुपये 91,771है। नई एसपी125 होंडा के उन ग्राहकों के लिए एक खास तोहफा है, जो बेहतर प्रदर्शन और स्टाइल के साथ तकनीकी रूप से उन्नत बाइक की तलाश में हैं। होंडा मोटरसाइकल एण्ड स्कूटर इंडिया के प्रबंध निदेशक, प्रेसिडेंट एवं सीईओ श्री त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा, हम नई OBD2B अनुपालक (निर्धारित मानकों के अनुरूप) एसपी125 को पेश करते हुए बेहद उत्साहित हैं। इसमें जोड़े गए नए फीचर्स और बेहतर डिजाइन के साथ, एसपी125 ने 125सीसी बाइक सेगमेंट के स्टैंडर्ड को एक नया आयाम दिया है। हमारा लक्ष्य अपने ग्राहकों को बेहतर अनुभव और नई तकनीक के साथ रोमांचक राइडिंग का अनुभव देना है। यह बाइक हमारे ग्राहकों की संतुष्टि के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। होंडा मोटरसाइकल एण्ड स्कूटर इंडिया के सेल्स और मार्केटिंग डायरेक्टर श्री योगेश माथुर ने नई एसपी125 के लॉन्च पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, एसपी125 हमेशा से अपनी कैटेगरी में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली मोटरसाइकल रही है। अब इसके नए अपग्रेड ने इसे और बेहतर बना दिया है। स्टाइल, परफॉर्मेंस और सुविधा में आए बदलाव इसे और खास बनाते हैं। नई एसपी125 में ब्लूटूथ नेविगेशन, वॉइस असिस्ट और यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट जैसी अत्याधुनिक खूबियां जोड़ी गई हैं, जो आज के तकनीक-प्रेमी राइडर्स की जरूरतों को पूरा करती हैं। हमें पूरा यकीन है कि इसका प्रीमियम अंदाज और आधुनिक फीचर्स खासतौर पर युवाओं को आकर्षित करेंगे। यह न सिर्फ उनके राइडिंग अनुभव को बेहतर बनाएगी, बल्कि 125सीसी मोटरसाइकल सेगमेंट में नए मानक स्थापित करेगी।

सुशासन सप्ताह कार्यशाला का जिलाधिकारी गोविंद बोडके ने किया उद्घाटन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। हर वर्ष 25 दिसम्बर को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है। केंद्र सरकार 19 से 24 दिसम्बर 2024 तक सुशासन सप्ताह गांव की ओर मना रही है। उसी उपलक्ष्य में जिला योजना समिति सभाकक्ष में पालघर जिलाधिकारी गोविंद बोडके की उपस्थिति में सुशासन सप्ताह के अवसर पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी गोविंद बोडके ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यशाला का शुभारम्भ किया। जिला के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विनायक नराले, निवासी उपजिलाधिकारी सुभाष भागड़े, जिला परिषद के प्रभारी मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे, पुलिस उपाधीक्षक संगीता शिंदे, तहसीलदार (राजस्व) सचिन भालेराव, तहसीलदार (सामान्य) प्रमोद कदम, जिला योजना अधिकारी प्रशांत भाम्बरे आदि मंच पर मौजूद थे।

इस कार्यशाला का मार्गदर्शन करते हुए जिलाधिकारी बोडके ने कहा कि शासन स्तर पर विभिन्न नवीन योजनाएं क्रियान्वित की जाती हैं । चूंकि ये नवीन योजनाएं आम जनता की सेवा के लिए हैं, इसलिए इनकी जानकारी आम जनता तक पहुंचनी चाहिए और इसके प्रति सभी सरकारी एजेंसियों को जागरूक होना जरूरी है, साथ ही जिला प्रशासन द्वारा क्रियान्वित विभिन्न नवीन योजनाओं को शासन स्तर पर अंकित करना भी आवश्यक है इसके लिये ही यह सुशासन सप्ताह चलाया जाता है। जिलाधिकारी गोविंद बोडके ने अपील की कि सभी सरकारी विभाग 'प्रशासन गांव की ओर' अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और नागरिकों को पारदर्शी और त्वरित सेवाएं प्रदान करें। श्री बोडके ने आगे कहा कि प्रशासन की नई अवधारणाओं और गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों की जन शिकायतों का निवारण किया जाएगा और ऑनलाइन सेवा और सेवा वितरण आवेदनों का निपटारा किया जाएगा। इस अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक, जिला परिषद तथा जिलाधिकारी कार्यालय ने इस कार्यशाला में जिले के आम नागरिकों के लिए विभिन्न अवधारणाओं और गतिविधियों को प्रस्तुत किया और तहसीलदार (राजस्व) सचिन भालेराव ने आभार व्यक्त किया।

प्रजापति समाज मुंबई का वार्षिकोत्सव 26 जनवरी को

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रजापति समाज मुंबई का वार्षिक उत्सव कार्यक्रम आगामी 26 जनवरी 2025 को प्रजापति प्यारेलाल हाल एरोली में आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी सामाजिक कार्यक्रम के साथ-साथ शिक्षा, व्यवसाय, वैवाहिक, समाज में व्याप्त तमाम कुरीतियों व समस्याओं सहित आदि मुद्दों पर विचार विमर्श एवं चर्चा किया जाएगा। प्रजापति समाज मुंबई के अध्यक्ष प्रोफेसर राम जन्म प्रजापति ने समाज के बंधुओं से अपील किया है कि आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में तन मन धन से सहयोग करें एवं सपरिवार सहित कार्यक्रम में अवश्य भाग ले। उन्होंने कहा है कि इस कार्यक्रम में अपने-अपने बच्चों को जरूर ले आए, उनका मार्गदर्शन किया जाएगा, साथ अच्छा मार्क प्राप्त करने वाले बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष भी गुजरात, दमन, मुंबई के पूणे, नासिक व उत्तर प्रदेश के व्यवसायी, सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले समाजसेवी भी भाग ले रहे हैं।

कलंबोली हिंदू समाज द्वारा निकाला गया जन आक्रोष मोर्चा

नवीं मुंबई (उत्तरशक्ति)। कलंबोली हिंदू समाज द्वारा 'जन आक्रोष मोर्चा' का आयोजन किया गया। जो तीन महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से किया गया है। जिसमें बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा को तुरंत रोकना, कलंबोली में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिया की मौजूदगी को संबोधित करना, कलंबोली में अनधिकृत चिकन और मटन की दुकानों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करना शामिल था।

संगठन ने हिंदू समाज का उनके भारी समर्थन और आक्रोश मोर्चा में सक्रिय भागीदारी के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। आगे कहा कि इन ज्वलंत चिंताओं के प्रति आपकी एकता और प्रतिबद्धता ने हमारी समस्याओं को सुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हमारी भावी पीढ़ी की सुरक्षा और हमारे समुदाय की बेहतरी के लिए एक साथ खड़े होने के लिए की आवश्यकता है जिसका आभार व्यक्त करता हूं।

नेशनल स्टूडेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने आयोजित किया उत्तर भारतीय स्नेह मिलन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। नेशनल स्टूडेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनएसएआई) ने रविवार को देर शाम अंधेरी (पूर्व) के न्यू. नागरदास रोड स्थित वासुदेव चैंबर्स में उत्तर भारतीय स्नेह मिलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तर भारतीय समाज के लोगों के बीच आपसी भाईचारे और सौहार्द को बढ़ावा देना था। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिद्धिविनायक गणपति मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष व भाजपा मुंबई के उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि यह आयोजन उत्तर भारतीय समाज को एकता और आपसी सहयोग का संदेश देता है। उन्होंने कहा, ₹जब हम एक रहेंगे, तो हर कठिन परिस्थिति का सामना कर सकते हैं। लेकिन आपसी मतभेद समाज के लिए हानिकारक हो सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान उत्तर भारतीय समाज की कुछ विशिष्ट हस्तियों को सम्मानित भी किया गया। नेशनल स्टूडेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और कार्यक्रम आयोजक प्रमोद श्यामाचरण पांडेय ने इस आयोजन में भाग लेने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम आपसी जुड़ाव और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर पारंपरिक स्वदेशी भोज (बाटी-चोखा) का भी आयोजन किया गया, जिसे सभी ने बड़े उत्साह से सराहा। विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति- कार्यक्रम में स्थानीय विधायक मुरजी पटेल 'काका', पूर्व उपमहापौर राजेश शर्मा, पत्रकार आदित्य दुबे,पूर्व नगरसेवक पंकज यादव, पूर्व नगरसेवक सुरेंद्र दुबे, डॉ. मनोज दुबे, उमेश दुबे, संदीप शुक्ला, भाजपा युवा नेता अखिलेश सिंह, रमेश मिश्रा, कैलाशनाथ पाठक, एड. रविकांत शुक्ला, राजेश पांडेय और बाबा तिवारी सहित बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय समाज के प्रतिष्ठित लोग शामिल हुए। इस आयोजन ने उत्तर भारतीय समाज को एकता, सद्भाव और सहयोग के महत्व को समझाने में बड़ी भूमिका निभाई। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया और भविष्य में इसी तरह के आयोजनों की उम्मीद के साथ हुआ।

डा. आंबेडकर के अपमान पर पूर्वांचल विकास परिवार ने किया प्रदर्शन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। संविधान निमार्ता भारत रत्न डॉ बाबासाहेब आंबेडकर के अपमान के विरोध में पूर्वांचल विकास परिवार ने संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ द्रिगेश यादव के नेतृत्व में आरे कॉलोनी , गोरेगांव पूर्व परिसर में प्रदर्शन किया।

उपस्थित लोगों ने बाबा साहेब का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान तथा अमित शाह इस्तीफा दो, का नारा लगाते हुए पूरे परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ द्रिगेश यादव ने कहा कि भाजपा ने कभी भी संविधान और बाबासाहेब का सम्मान नहीं किया। सत्ता के मद में चूर भाजपा को पता नहीं कि हम लोग बाबासाहेब को भगवान की तरह ही मानते हैं। उनका अपमान संविधान और देशवासियों का अपमान है। उन्होंने कहा कि अहंकार की भाषा बोलने वाले गृह मंत्री अमित शाह को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए।हिए। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव सभाजीत यादव , राष्ट्रीय सचिव कृष्ण कुमार यादव , यूथ विंग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विमलेश यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बृजेश श्रीपति यादव , राष्ट्रीय उपाध्यक्ष झुल्लूर यादव , सुभाष तिवारी , अनिल यादव , मोतीलाल यादव , सुभाष यादव, संतोष यादव, रवि यादव, सुभाष यादव,अशोक यादव, बीना यादव समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

डॉ. कनकलता तिवारी के बाल कथा संग्रह के विमोचन के साथ सृजन के रंग संस्था ने भरी पहली उड़ान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. कनकलता तिवारी के नवीनतम बाल कथा संग्रह पिंटू की पहली उड़ान₹ के विमोचन के साथ साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में नवगठित संस्था सृजन के रंग₹ ने अपने सृजनात्मक सफर की पहली उड़ान भरी।

नवगठित संस्था का यह पहला गरिमापूर्ण समारोह शनिवार, 21 दिसम्बर, 2024 को नवी मुंबई के वाशी में सेक्टर नम्बर 11 स्थित समन्वय हाल में आयोजित किया गया, जिसमें पुस्तक विमोचन के अलावा सुरुचिपूर्ण कवि सम्मेलन भी आयोजित किया गया। सृजन के रंग संस्था द्वारा आयोजित इस समारोह की अध्यक्षता प्रमुख गजलकार डॉ. लक्ष्मण शर्मा 'वाहिद' ने की। मुख्य अतिथि के रूप में मशहूर कवि एवं गीतकार देवमणि पांडेय मौजूद रहे। इन दोनों के साथ विशिष्ट अतिथियों के रूप में महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के कार्यकारी सदस्य एवं वरिष्ठ गीतकार गजानन महतपुरकर, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. कृपाशंकर मिश्र, वरिष्ठ पत्रकार एवं कवि प्रो. योगेंद्र यादव और वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. पूजा अलापुरिया ने अपनी वैचारिक अभिव्यक्ति, पुस्तक समीक्षा और काव्य रचनाओं से सभी को मंत्रमुग्ध किया। सभी ने बच्चों पर आधारित एक अच्छी किताब के लिए डॉ. कनकलता तिवारी को हार्दिक बधाई दी। प्रारम्भ में सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर और मॉ सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर समारोह का शुभारम्भ किया। डॉ. कनकलता तिवारी की सरस्वती वंदना से कवि सम्मेलन का विधिवत शुभारम्भ हुआ, जिसका सशक्त संचालन जाने-माने मंच संचालक प्रिंस ग्रोवर ने किया। बाल कथा संग्रह पिंटू की पहली उड़ान का विमोचन मंच पर मौजूद सभी अतिथियों के साथ तीन बच्चों त्रेयाक्ष, नायरा शर्मा और युग शर्मा द्वारा किया गया।

डॉ.कनकलता तिवारी ने अपनी इस नौवीं पुस्तक की जानकारी देते हुए कहा कि इस पुस्तक से होने वाली आमदनी गरीब बच्चों की शिक्षा में खर्च की जायेगी। वरिष्ठ कवि गजानन महतपुरकर ने विमोचित पुस्तक के विभिन्न पहलुओं पर आधारित अपनी विशेष काव्य रचना प्रस्तुत की, जिसे सभी ने खूब सराहा। इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन में जिन अन्य कवियों और कवयित्रियों ने अपनी विभिन्न रचना प्रस्तुत कीं, उनमें श्रीमती निधि शुक्ला, दयाराम दर्द, बिट्टू जैन सना, अनिल कुमार राही, नंदिता माजी शर्मा, अफसर दक्खिनी, प्रतिष्ठा श्याम, प्रदीप मिश्र, नरेंद्र शर्मा खामोश, प्रज्ञा मिश्रा, मधुबाला शुक्ला, लता तेजेश्वर, लाल बहादुर यादव कमल, पंडित श्रीधर मिश्र आत्मिक, सीमा त्रिवेदी, सूर्यजीत मौर्य, श्रीमती रागिनी, विनय शर्मा दीप, मीना जोशी, रंजन देवनाथ रंज, एडवोकेट राजीव मिश्र मधुकर, रीता कुशवाहा, शिवकुमार सिंह, सत्यभामा सिंह, डॉ. वर्षा महेश, अन्नपूर्णा गुप्ता सरगम, अमनदीप गुजराल, मीनाक्षी शर्मा पंकज, ईशान ग्रोवर, डॉ. कनकलता तिवारी, युवा ओजस्वी कवि राहुल सिंह ओज. शिव कुमार सिंह, विनय शर्मा दीप और सत्यभामा सिंह प्रमुख रूप से शामिल रहे। पुस्तक के प्रकाशक राजीव मिश्र मधुकर ने पुस्तक की भूमिका पर प्रकाश डाला। वाशी के सुमी प्रोडक्शन द्वारा लाल बहादुर यादव कमल को उनकी सुरीली प्रस्तुति के लिए सर्वोत्कृष्ट कवि का सम्मान चिन्ह श्री रंगनाथन के हाथों प्रदान किया गया। सभी अतिथियों तथा कवियों एवं कवयित्रियों को शॉल, श्रीफल और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। मंचासीन सभी प्रमुख अतिथियों को ऐरोली शहर के समाजसेवी राम मूरत यादव ने स्वामी अड़गड़ानंद की यथार्थ गीता भेंट स्वरूप प्रदान की। सामाजिक कार्यकर्ता और पत्रकार राम समुझ यादव को भी शॉल और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर सृजन के रंग संस्था का बैनर भी लॉन्च किया गया, जिसमें प्रमुख रूप से डॉ. कनकलता तिवारी, बिट्टू जैन 'सना', सीमा त्रिवेदी, अन्नपूर्णा गुप्ता सरगम और नंदिता शर्मा 'माजी' ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

श्री सार्वजनिक रामलीला मंडल ने विप्र फाउंडेशन के पदाधिकारियों को किया सम्मानित

पालघर(उत्तरशक्ति)। श्री सार्वजनिक रामलीला मंडल पालघर की ओर से जिला मुख्यालय क्षेत्र अंतर्गत स्थित कांग्रेस भवन, कचहरी रोड, पालघर में आयोजित दस दिवसीय पालघर रामलीला कृष्ण लीला महोत्सव का बड़े धूमधाम और भव्यता के साथ संपन्न हो गया। समापन से पूर्व नौवें दिवस मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम को अनुज लक्ष्मण और पत्नी सीता संग परमधाम अयोध्या आगमन के चरितार्थ रामलीला के जीवंत सचित्र वर्णन का दिव्य दर्शन गणमान्यों द्वारा किया गया। पालघर रामलीला कृष्ण लीला महोत्सव में सम्माननीय अतिथियों में विप्र फाउंडेशन बोईसर प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे, मार्गदर्शक रविकांत पाण्डेय, श्रवण कुमार मिश्र, अखिलेश पाण्डेय सहित अनेक गणमान्य लोगों ने श्री राम दरबार के अदभुत झांकी का दर्शन करते हुए आरती की।इस दौरान पालघर रामलीला कृष्ण लीला महोत्सव कमेटी की ओर से सभी अतिथियों को शाल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ के साथ देवी देवताओं की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

फेडएक्स बनेगा सुपर किंग्स की रफ्तार का नया साथी

मुंबई। दुनिया की सबसे बड़ी एक्सप्रेस ट्रांसपोर्टेशन कंपनी, फेडरल एक्सप्रेस कॉपोर्रेशन (फेडएक्स) ने आज क्रिकेट के लिए भारत में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और दक्षिण अफ्रीका में जोहान्सबर्ग सुपर किंग्स (जेएसके) के लिए 'प्रिंसिपल स्पॉन्सर' और 'आधिकारिक लॉजिस्टिक्स पार्टनर' बनने की घोषणा की। फेडएक्स एयरलाइन के चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (इंटरनेशनल) रिचर्ड स्मिथ, फेडएक्स, मिडल ईस्ट, भारतीय उपमहाद्वीप और अफ्रीका के प्रेसिडेंट कामी विश्वनाथन, चेन्नई सुपर किंग्स के चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर केएस विश्वनाथन, चेन्नई सुपर किंग्स के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अंकित बाल्दी की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में यह घोषणा की गई। यह स्पॉन्सरशिप 2025 आईपीएल और एसए20 सीजन तक जारी रहेगी। चीफ ऑपरेटिंग ऑफीसर, इंटरनेशनल और चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर, एयरलाइन, फेडएक्स रिचर्ड स्मिथ ने कहा, ₹खेल सीमाओं से परे है और यह जुनून, उत्साह और साझा अनुभवों के माध्यम से समुदायों को एकजुट करता है। उन्होंने कहा, क्रिकेट भारत की आत्मा है, और भारत फेडएक्स के लिए रणनीतिक बाजार है। यह साझेदारी फेडएक्स के उस समर्पण को दिखाती है, जो व्यवसायों और लोगों की ग्रोथ को बढ़ावा देते हुए समृद्धि की दिशा में काम करता है। इस साझेदारी के तहत, फेडएक्स का लोगो चेन्नई सुपर किंग्स की प्रतिष्ठित जर्सी के पीछे नजर आएगा, जो प्रदर्शन और विश्वसनीयता पर साझा ध्यान का प्रतीक है।

फेडएक्स अपनी वैश्विक नेटवर्क और आधुनिक डिजिटल टूल्स का इस्तेमाल करते हुए भारत, जोहान्सबर्ग, यू.एस., और दुनिया भर में सुपर किंग्स टीम के किट, मैच उपकरण और अन्य आधिकारिक सामग्री के कुशल परिवहन को सुनिश्चित करेगा।

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की छठीहार जन्मोत्सव 16 फरवरी को

पटना। आज 22 दिसंबर को पटना सिपारा में अखिल भारतीय रविदास नव निर्माण मंच का कार्यकारणी की बैठक हुई । बैठक में सर्वसम्मति से विचार बना कि राज्यस्तरीय संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की छठीहार जन्मोत्सव सह सम्मान समारोह 16 फरवरी 2025 को पटना में मनाया जाएगा । बैठक की अध्यक्षता मंच के प्रदेश अध्यक्ष श्री चतुर्गुण राम जी ने किया ।

बैठक में मुख्यातिथि के रुप मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह राष्ट्रीय लोक मोर्चा,अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष श्री अशोक कुमार राम जी शामिल हुए । बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार राम जी ने कहा अखिल भारतीय रविदास नव निर्माण मंच 2014 के प्रत्येक वर्ष राज्यस्तरीय संत गुरु रविदास जी महाराज की छठीहार जन्मोत्सव सह सम्मान समारोह भव्य रुप से मनाया जाता आ रहा है । इस वर्ष छठीहार जन्मोत्सव रविदास एकजुटता के रूप में मनाया जाएगा ।

समारोह में शिक्षा, स्वास्थ, कला संस्कृति, पत्रकारिता, राजनीतिक सभी क्षेत्रों में समाज के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले को चिन्हित कर उन्हें संत शिरोमणि गुरु रविदास विरासत सम्मान से सम्मानित किया जाएगा । समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होगा और सम्मानित मंत्रीगण को भी आमंत्रित किया जाएगा । सभी जिला से लोग भारी संख्या में जुटेंगे । बैठक में संबोधित करने वाले में श्री राजेश कुमार,आनंद कुमार, जितेन्द्र दास, रामप्रीत दास, सुरेंद्र राम, देवानंद राम, शम्भू रविदास, जितेन्द्र रविदास, श्रीकृष्णा प्रसाद, प्रभु प्रकाश दयाल, गेंदा रविदास, सुदेश्वर रविदास, राम इकबाल रविदास, जगदेव राम, लाला कुमार, रामबाबू राम, जंग बहादुर राम सभी ने अपना विचार रखे ।

पटना नगर निगम द्वारा गंगा घाट पर आर्ट ऑफ लिविंग का आयोजन

पटना। पटना नगर निगम द्वारा गंगा नदी के किनारे बढ़हवा घाट पर आर्ट ऑफ लिविंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माननीय महापौर, उप महापौर एवं माननीय पार्षदों एवं नगर निगम के पदाधिकारी शामिल हुए। गौरतलब है कि रविवार 22 दिसंबर से 24 दिसंबर तक इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। महापौर द्वारा पटना नगर निगम के कर्मियों के लिए विशेष रूप से आर्ट ऑफ लिविंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। महापौर द्वारा बताया गया कि पार्षद, पदाधिकारी और कर्मचारी द्वारा दिन रात कार्य में लगे रहते है। हमारा उद्देश्य है कि उनका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहे। कार्यक्रम के दौरान श्री श्री रविशंकर जी के संस्था से आए प्रतिनिधियों द्वारा योग क्रिया, ध्यान एवं स्वास्थ्य संबंधित जानकारियां दी गई और बताया गया कि दिन प्रतिदन के तनाव और खिंचाव के बीच खुश रहकर जीवन का आनंद लेना ही आर्ट ऑफ लिविंग है। यह एक तकनीक है, जिसके माध्यम से तनाव और चिंताओं को दूर कर जीवन में खुशी और आनंद लाने की कला सीखी जाती है।

तेजस्वी जी 'लिडर ऑफ कमिटमेंट' बन चुके हैं : चित्तरंजन गगन

पटना। नेता प्रतिपक्ष के 'कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम' का चौथा चरण आज समाप्त हो गया। इन चार चरणों में उन्होंने अबतक 19 जिला के 109 विधानसभा क्षेत्रों के कार्यकताओं के साथ संवाद स्थापित कर चुके हैं। उक्त जानकारी देते हुए राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने बताया कि कार्यकताओं के साथ संवाद स्थापित करने से कार्यकताओं में एक नयी उर्जा का संचार हुआ है।? कार्यकताओं द्वारा मिले फीडबैक के आधार पर तेजस्वी जी द्वारा बिहार को विकसित राज्य बनाने को लेकर कई कार्यक्रमों की घोषणा की गई है जिसका व्यापक स्तर पर स्वागत किया गया है। तेजस्वी यादव की पहचान 'लिडर ऑफ कमिटमेंट' के रूप में बन चुकी है। लोगों को भरोसा है कि वे जो संकल्प लेते हैं अवसर मिलने पर उन संकल्पों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता भी दिखती है। 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में उन्होंने जो वादे किए थे, सत्रह महिने उपमुख्यमंत्री रहने का मौका मिला तो उन वादों को पूरा करके दिखा दिया है।

राजद प्रवक्ता ने बताया कि कार्यकताओं के साथ संवाद के दौरान तेजस्वी यादव ने अपने भावी कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा है कि उनकी सरकार बनने पर 'माई बहिन मान योजना' लाएगी और सभी महिलाओं को 2500 रुपए प्रतिमाह उसके खाते में भेज दिए जाएंगे। वृद्धावस्था पेंशन और सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि 400 से बढ़ाकर 1500 रुपए प्रति माह कर दिया जाएगा। 200 यूनिट बिजली मुफ्त में दी जाएगी। सीमांचल और कोशी क्षेत्र के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए 'सीमांचल डेवलपमेंट अथॉरिटी' एवं 'कोशी डेवलपमेंट अथॉरिटी' का गठन किया जाएगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र पर आने-जाने और ठहरने की खर्चा सरकार वहन करेगी। राजद प्रवक्ता ने बताया कि तेजस्वी जी द्वारा घोषित यह कार्यक्रम बिहार के विकास में मिल का पत्थर साबित होगा। जो लोग इन घोषणाओं पर सवाल खड़े कर रहे हैं ये वे ही लोग हैं जो पहले शिक्षकों के बहाली , संविदा कर्मियों के मानदेय में वृद्धि एवं नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा दिए जाने पर सवाल खड़े कर रहे थे। और आज उपलब्धि लेने के लिए बेचैन हो रहे हैं। राजद प्रवक्ता ने कहा कि तेजस्वी जी ने जो घोषणाएं की है उसे मूर्तरूप देने के लिए सारे वैज्ञानिक आंकड़े की समीक्षा कर चुके हैं। एनडीए नेताओं की तरह यह हवा-हवाई नहीं है। इसीलिए एनडीए नेताओं की पहचान 'कैचफ्रेज लीडर' के रूप में हो रही है जबकि तेजस्वी यादव की पहचान 'लीडर ऑफ कमिटमेंट' के रूप में बन चुकी है।

क्रिसमस के पूर्व महागिरजाघर आयोजित हुआ क्रिसमस मिलन

पटना सिटी (बृजेश गोस्वामी)। पादरी की हवेली स्थित महागिरजाघर में अल्पसंख्यक ईसाई कल्याण ने क्रिसमस मिलन समारोह का आयोजन रखा गया ।जिसमें मुख्य अतिथि मंत्रिमंडल सचिवालय सह धार्मिक न्यास बोर्ड विधि विभाग के चंदन कुमार सिंह और मेयर सीता साहू , उपमहापौर रेशमी चंद्रवंशी ,मितन घाट खानकाह मुनमिया हजरत सैय्यद शाह शमीमउद्दीन अहमद मुनमी सज्जादानशीन खानकाह मुनिमिया ,जनाब इरशाद अली आजाद पूर्व चेयरमैन शिया वक़्फ़ बोर्ड एवं बाबा विवेक द्विवेदी पुजारी छोटी पटन देवी बतौर अतिथि मौजूद थे ।कार्यक्रम में कैरल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें पटना के विभिन्न स्कूलों ने हिस्सा लिया जैसे जीजस एंड मेरी एकेडमी, संत पॉल स्कूल, इन्फेंट जीजस स्कूल और डोमिनिक सेवियस ने प्रतियोगिता जीत, खुद को विजेता घोषित किया ।मुख्य अतिथि चंदन कुमार सिंह ने प्रभु येशु मसीह के जन्म को महान बताया ।संस्था के अध्यक्ष एम्ब्रोस पैट्रिक ने आए हुए अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ ओर अंगवस्त्र देकर किया ।पादरी की हवेली महागिरजाघर के पल्ली पुरोहित फादर प्रवीण और सहायक पुरोहित फादर सुरेश ने प्रभु ईसा मसीह के जन्म से जुड़े संदेश प्रेम ,भाईचारे बल दिया ।इरशाद अली आजाद , छोटी पटन देवी से बाबा विवेक ने भी सर्व धर्म एकता पर बल दिया। सज्जादशीन ने अपने इस्लाम धर्म में प्रभु यीशु मसीह के महत्व को दशार्ते हुए संबोधन दिया ।वही अजय प्रकाश ने भी कार्यक्रम की सराहना की ।कार्यक्रम के अंत में अभिषेक पैट्रिक एवं पूजा एन शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया ।मंच संचालन रिचर्ड रंजन ने किया ओर कार्यक्रम को सफल बनाने में आलोक कुमार, राजेश कुमार, प्रमोद, सोनू, चार्ली अलफोंस का सहयोग रहा।

सरस मेला गांधी मैदान के लिए ऐतिहासिक रहा

पटना। गांधी मैदान के लिए ऐतिहासिक रहा। जहां जीविका द्वारा आयोजित सरस मेला में आधुनिकता से परे ग्रामीण शिल्प, संस्कृति,परम्परा एवं स्वाद से रूबरू होने के लिए लाखों की संख्या में लोग आये और अपने देश की खुबसूरत छवि को देखा तथा भाव-विभोर हुए ' जीविका वर्षों से बिहार सरस मेला का आयोजन करती आ रही है और इसके सफल प्रबंधन एवं आयोजन की बानगी गांधी मैदान में दिखी ' प्रति वर्ष सरस मेला निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है यह रविवार को दिखा जब हस्तशिल्प के कद्रदानो का बड़ी संख्या में आगमन हुआ ' आगंतुकों में कोई ऐसा नहीं दिखा जिसने खरीददारी नहीं की हो ' हर वर्ग, हर तबके और आम से लेकर खास तक मेला में आये और अपने शौक, अपनी पसंद, घर- दुकान की जरुरत एवं सदियों पुरानी हस्तशिल्प को संजो कर रखने के उद्देश्य से खरीददारी की ।सरस मेला के माध्यम से सदियों पुरानी लोक कलायें पुनर्जीवित हो उठी हैं। ग्रामीण महिला शिल्पकारों को शिल्प निर्माण एवं बिक्री के लिए प्रोत्साहन मिलने के बाद उनका आर्थिक एवं सामाजिक तौर पर सशक्तिकरण हुआ है। मेला में आकर ग्रामीण शिल्पकार शिल्प को नया आकार, सम्मान एवं अगली पीढ़ी को हस्तानांतरित कर रही हैं। गोपालगंज, बिहार से आई स्वयं सहायता समूह की सदस्य श्रीमती पुनीता देवी सिक्की कला एवं कुश कला के तहत खुद द्वारा निर्मित उत्पादों को लेकर पहली बार सरस मेला में आई हैं ' पिछले तीन साल से जीविका से जुडी हैं ' जीविका द्वारा प्रोत्साहन , प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन मिलने के बाद सिक्की कला एवं कुश कला को आगे बढ़ा रही हैं ' मेला में जीवंत डगरा, टोकरी, सिक्की पोला की चूड़ियों का निर्माण कर रही हैं ' निर्माण एवं बिक्री के साथ ही आगंतुकों को सिक्की कला एवं कुश कला की बारीकियों से अवगत करा रही हैं ' साथ ही 10 दिनों में इन्होने 40 हजार रुपये से अधिक की बिक्री भी की है ' पुनीता देवी ने समूह से ऋण लेकर सिक्की एवं कुश से उत्पादों की निर्माण कर व्यवसाय शुरू किया है ' अब उनकी पहचान कुशल महिला उद्यमी के रूप में है। रविवार को डेढ़ लाख से अधिक लोग सरस मेला में आये और खरीददारी की ' साथ ही देशी, लजीज, पौष्टिक एवं स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया। 10 दिनों में खरीद-बिक्री का आंकड़ा 10 करोड़ पार कर गया है। शनिवार को सेमिनार हॉल में जीविका के तत्वाधान में हस्तशिल्प को मिल रहे प्रोत्साहन एवं बाजार में उत्पादों की बढ़ी मांग विषय पर परिचर्चा हुई। श्री समीर कुमार, राज्य परियोजना प्रबंधक, गैर कृषि झ जीविका ने गैर कृषि प्रबंधको को उत्पादों के बाजार में बिक्री एवं ब्रांडिग का गुर बताया ' के लिए हस्तशिल्प को प्रोत्साहन एवं बाजार उपलब्ध कराने हेतु विचार-विमर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया ' कैशलेस खरीददारी और डिजिटल ट्रांजेक्शन मेला की शोभा बढ़ा रहा है। शाम में मुख्य सांस्कृतिक मंच पर तानसेन स्कुल आफ म्यूजिक की छात्र-छात्राओं ने भरतनाट्यम,कत्थक, और शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति की।

हजारो दर्शक भारत देश के लोक संस्कृति से रूबरू हुए ' मेरे ढोलना सुन, मोहे पनघट पर छेड़ गयो जैसे गीतों पर नृत्यों की प्रस्तुतियों ने सबको मोहा ' कलाकारों में श्रद्धा,यशस्वी, आदया देव, सजल, अनन्या , अपूर्वा, शान्वी ,यशी, कृतिका मिश्रा, जिनिशा, समृद्धि, अनंता,शोम्नी, निकिशा, एरोमा शाम्भवी, आरवी, आराध्य, आदि कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से सबको मोहा।

संक्षिप्त समाचार

वाईसीसी चंद्रमणि प्रसाद सिंह मेमोरियल क्रिकेट के फाइनल में

पटना। वाईसीसी ने चंद्रमणि प्रसाद सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया जहां इस का मुकाबला जेनेक्स क्रिकेट एकेडमी से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में वाईसीसी ने एसपीएस सीसीसी को 125 रन से हराया। बिहार क्रिकेट एकेडमी ग्राउंड पर खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में टॉस वाईसीसी ने जीता और पहले बैटिंग करते हुए पवन यादव (72 रन) और सुशांत (59) के अर्धशतकों की मदद से 25 ओवर में नौ विकेट पर 217 रन बनाये। जवाब में आदित्य पांडेय (5 विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के आगे एसपीएस सीसीसी की टीम 18.3 ओवर में 92 रन पर ऑल आउट हो गई। आदित्य पांडेय को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

संक्षिप्त स्कोर वाईसीसी : 25 ओवर में नौ विकेट पर 217 रन, नीतीन 34, तेजस्वी चौहान 17, पवन यादव 72, सुशांत 59,अतिरिक्त 15,साहिल 2/43, मिथुन 2/33, आदित्य राज 1/36, अनिमेष 2/37 एसपीएस सीसीसी : 18.3 ओवर में 92 रन पर ऑल आउट लक्की राज 12,साहिल 29, अनिमेष 11, मिथुन 18, अतिरिक्त 17, उज्ज्वल 1/33, आदित्य पांडेय 5/26, मनोज सिन्हा 1/7,केशव रघुवंशी 1/24, सुशांत 1/1।

तेजस्वी यादव को कार्यकर्ता संवाद के माध्यम से गांव-ग्रामीणों की ज्वलंत समस्या सामने आया : अरुण यादव

भागलपुर। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जी का 'कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम ' अभूतपूर्व और पार्टी कार्यकताओं के लिए उत्साह से भरा प्रेरणादायक रहा। राजद प्रवक्ता ने कहा कि तेजस्वी यादव जी भागलपुर के कुल 07 विधानसभा क्षेत्र के पार्टी कार्यकताओं का दर्शन कर उनके साथ सीधा संवाद किया। तेजस्वी यादव जी को कार्यकर्ता संवाद के माध्यम से भागलपुर जिला के अंतर्गत आने वाले वार्ड और पंचायत स्तर पर जो भी गांव-ग्रामीणों की ज्वलंत समस्या है वो सामने आए हैं। गरीबी, बेरोजगारी, पलायन, मंहगाई, अपराध और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं से लोग परेशान है।

एससी/ एसटी के मामले पर सरकार न्याय करे

पटना। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति मोर्चा ने बिहार विधानसभा में नियुक्ति में अनुसूचित जाति पर भेदभाव का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा है कि भारतीय संविधान में वर्णित आरक्षण के नियमों का उल्लघंन कर वेतन स्तर -3 बीपीएससी के उपर तथा वेतन स्तर -2 को वेतनमान -7 के उपर राज्य सरकार का आदेश की वहाना लगाकर प्रोन्नति/ प्रभार देकर सौ करोड़ का भुगतान कर दिया। जो वित्तीय अनियमितता तथा उच्च पदों पर नियम के विरुद्ध दिये जा रहें प्रोन्नति को रद्द कर भ्रष्ट अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई चलाने हेतु तत्कालीन संयुक्त सचिव द्वारा लिखा गया। लेकिन आजतक कोई विभागीय कार्रवाई नहीं हुई उल्टे एससी एसटी के जगह समान कोटे के अभियार्थी को प्रोमोशन का लाभ मिलता रहा। ऐसे कई ऐसी/ एसटी का मामला है जिसको सुननें वाला कोई नहीं है जिस पर कोई विभागीय कार्रवाई नहीं हुई हम सरकार से इस अनियमितता का जांच कराने की मांग करता हूं इसके लिए केन्द्र व राज्य सरकार तथा अनुसूचित जाति आयोग में भी आवेदन दिया गया है।

भगवान विष्णु स्मृति अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्भाषण शिविर का समापन समारोह सम्पन्न

पटना। सर्वत्र संस्कृतम एवं विहार संस्कृत संजीवन समाज, पटना के तत्त्वावधान में ₹आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान₹ के अन्तर्गत आयोजित भगवान विष्णु स्मृति अन्तर्राष्ट्रीय दशदिवसात्मक अन्तजार्लीय संस्कृत सम्भाषण शिविर का समापन समारोह भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। समारोह का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। डॉ. मुकेश कुमार ओझा, जो इस अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष और विहार संस्कृत संजीवन समाज, पटना के महासचिव हैं, ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में संस्कृत भाषा के महत्व और उसके आधुनिक संदर्भ में उपयोग पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने शिविर की सफलता को संस्कृत भाषा के पुनर्जागरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। समारोह का उद्घाटन पटना उच्च न्यायलय के अभिवक्ता एवं ₹आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान₹ के उपाध्यक्ष, उग्र नारायण झाने किया। उन्होंने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। इसे आधुनिक जीवन में पुनर्स्थापित करना हमारा प्राथमिक उद्देश्य होना चाहिए। डॉ. अनिल कुमार चौबे, वरिष्ठ संस्कृत प्रचारक और इस अभियान के संरक्षक, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने संस्कृत को दैनिक जीवन में अपनाने के महत्व को रेखांकित किया और इस तरह के आयोजनों को समाज के लिए आवश्यक बताया। मुख्य अतिथि डॉ. रागिनी वर्मा, जो राष्ट्रीय संयोजिका हैं और पटना के गङ्गा देवी महिला कॉलेज में सह आचार्या हैं, ने ₹आधुनिक संदर्भ में संस्कृत की प्रासंगिकता₹ पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। उन्होंने संस्कृत के विविध आयामों और इसके वैश्विक प्रभाव पर विचार साझा किए। स्वागत भाषण राष्ट्रीय उपाध्यक्षा डा. लीना चौहान ने दिया। उन्होंने कार्यक्रम के महत्व को रेखांकित करते हुए सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया। मुख्य वक्ता पारिजात त्रिपाठी, राष्ट्रीय प्रचार सचिव, ने शिविर की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और संस्कृत के प्रचार-प्रसार में युवाओं की भूमिका को रेखांकित किया ।कार्यक्रम का मंच संचालन श्री पिंटू कुमार ने अत्यंत कुशलता और प्रभावी शैली में किया। साथ ही इस अवसर पर डॉ अवन्तिका कुमारी, सौरभ शर्मा, तनुजा कुमारी, उपासना आर्या,राजश्री आदि ने भी विचार प्रकट किए। इस शिविर के दौरान आयोजित संस्कृत संभाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेताओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। प्रथम पुरस्कार- मनीष कुमार, संस्कृत शोध छात्र, दिल्ली विश्वविद्यालय।

द्वितीय पुरस्कार- तारा विश्वकर्मा, संस्कृत शिक्षिका व विजेंद्र सिंह, शोध छात्र, दिल्ली विश्वविद्यालय। तृतीय पुरस्कार- अदिति चोला, शोध छात्रा, शारदा जौहरी कन्या महाविद्यालय, कासगंज, उ.प्र।

भाजपा संगठन पर्व अंतर्गत बांकीपुर विधानसभा के छह मंडल अध्यक्ष के नाम की घोषणा

पटना। भारतीय जनता पार्टी के बांकीपुर विधानसभा में आज संगठन पर्व अंतर्गत मंडल अध्यक्ष चुनाव के पहले चरण में निर्विरोध चुने जाने वाले अध्यक्षों के नाम की घोषणा कर दी गयी । बांकीपुर विधानसभा कार्यालय में विधानसभा के दस मंडल में से छह मंडल के अध्यक्ष के नाम की घोषणा चुनाव प्रभारी पूर्व विधायक विनय सिंह तथा जिला अध्यक्ष अभिषेक की उपस्थिति में हुई। विधानसभा के गोलघर मंडल में अशोक कुमार कुर्मी को पुनः निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया, इसके साथ ही चिरैयाटांड मंडल में राजकुमार यादव, नरेंद्र भारती में नीरज भारती, जक्कनपुर में अभिषेक कुंदन,कृष्णा मंडल में रामसुंदर सिंह तथा विश्विद्यालय मंडल में कृष्ण प्रकाश यादव पप्पू को पुनः मंडल अध्यक्ष चुना गया है। इस अवसर पर पटना जिला संगठन पर्व सहयोगी सुनील भारती टिंकू, प्रभारी विमल कश्यप, शैलेंद्र यादव, अर्जुन महतो, प्रमोद सिंह, प्रकाश शर्मा, शिवशंकर यादव समेत विधानसभा के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे।

पूरे विश्व में धुमधाम से मनाया जाता है क्रिसमस: जितेन्द्र कुमार सिन्हा

पटना। भारत में हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और बौद्ध धर्मालम्बी के लोग रहते हैं, इसलिए भारत को धर्म निरपेक्ष देश कहा जाता है। क्रिसमस लगभग विश्व के सभी देशों में मनाया जाता है। भगौलिक दृष्टिकोण से 25 दिसम्बर का दिन वर्ष का सबसे बड़ा दिन होता है इसलिए इसे बड़ा दिन भी कहते हैं। इसाई धर्म के अनुयायियों और उसके समर्थकों द्वारा मुख्य रूप से क्रिसमस मनाया जाता है। मान्यता है कि 25 दिसम्बर की रात बारह बजे ईसा मसीह का जन्म बेथलेहम शहर स्थित एक गौशाला में हुआ था। माँ का नाम मरियम था, जो दाउद वां की थी। ईसा मसीह का नाम जन्म के समय एमानुएल था। एमानुएल का अभिप्राय मुक्ति प्रदान करने वाला होता है। इसलिए ईसा मसीह को ईश्वर ने धरती पर मुक्ति प्रदान करने वाले दूत बनाकर भेजा था।

ईसा मसीह के 12 पट शिष्य थे, जिनमें से 11 शिष्य धर्म के प्रचार प्रसार के लिए अलग अलग दिशाओं में चले गये थे। एक पट शिष्य संत थॉमस समुद्री रास्ते से ईस्वी सन- 52 में भारत के दक्षिण तट पर उतरे थे, तब वहाँ चोल वंश का शासन था। वह केरल के मालाबार तट के मुजीरिश या मुचिरी नामक स्थान पर आए थे और केरल-तमिलनाडु क्षेत्र में लगभग 20 वर्ष रहे। संत थॉमस ने भारत आते ही पलायुर में पहले धर्म स्थल चर्च की स्थापना की, जिसे संत थॉमस चर्च के नाम से जाना जाता है। यह चर्च दुनिया में सबसे पुराना चर्च में शामिल है। संत थॉमस ने अपने जीवनकाल में इसके अतिरिक्त भारत में छः चर्च की स्थापना की। क्रिसमस से एक दिन पूर्व यानि 24 दिसम्बर से लोग अपने घरों के साथ-साथ धार्मिक स्थलों को सजाने लग जाते हैं। ईसा मसीह के जन्म दिन यानि 25 दिसम्बर की रात को गिरजाघरों में प्रार्थना सभा शुरू हो जाती है और इसके साथ ही शुरू हो जाता है क्रिसमस। प्रार्थना समाप्त होने पर वहां उपस्थित सभी लोग एक दूसरे को बधाई देकर अपने अपने घर लौट जाते हैं। मान्यता है कि बाइबल में यीशु को ह्लशांति का राजकुमारह्व कहा गया है। यीशु हमेशा अभिवादन के रूप में कहते थे - ह्लशांति तुम्हारे साथ हो, शांति के बिना किसी का अस्तित्व संभव नहीं हैह्व, शांति के राजकुमार यीशु का जन्म प्रेम, सेवा, सद्भाव, भाईचारा, संगीत और शांति का आह्वान है। यीशु एक असहाय बच्चे के रूप में गरीबों के बीच आश्रय पाने के लिए दिल के दरवाजे पर दस्तक देते है।

क्रिसमस प्रथा पश्चिमी देशों की है और इस संबंध में कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। क्रिसमस बालक यीशु के जन्म उत्सव के रूप में मनाया जाता है और क्रिसमस की तैयारी के पहले मसीही जिन जिन सामग्रियों का उपयोग करते हैं, उन प्रतीक चिह्न का क्या अर्थ होता है इस संबंध में चर्च के फादर का कहना है कि सांता क्लॉउस सांता नाम के एक राजा ने बालक यीशु के अनुयायी होकर धार्मिकता को अपनाया था। वे पश्चिम देश के लूसिया प्रांत यूरोष के फादर थे जो सांता कहलाए। क्रिसमस ट्री को जीवन की निरंतरता का प्रतीक माना जाता है। इसे ईश्वर की ओर से दिए जाने वाले लंबे जीवन के आशीर्वाद के रूप में देखा जाता रहा है। स्टार बालक यीशु को भोर का तारा के रूप में जाना जाता है। यह संदेश देता है कि बालक यीशु का जन्म हुआ है। घंटियां क्रिसमस ट्री को घर के दरवाजों और अन्य जगहों पर लगायी जाती है। यह किसी भी शुभ कार्यों और शांति का प्रतीक के रूप में जाना जाता है। रिथ क्रूस पर चढ़ाने के पहले प्रभु यीशु के सिर पर कांटों का मुकुट पहनाया गया था और यीशु का मजाक उड़ाया गया था। इसलिए मुकुट रीथ का प्रतीक माना जाता है। मेमना मानव द्वारा किये गए, पापों के बदले यीशु ने अपने आप को सूली पर चढ़वा लिया था, इसलिए मेमना को इसाहक और इब्राहिम की बलि के प्रतीक के रूप में जाना जाता है। मोमबत्ती जलाना जिसका अर्थ होता है, यीशु संसार की ज्योति थे, जिन्होंने पाप के अंधेरों को चीर कर दूर-दूर तक प्रकाश फैलायी है। चरनी जब बालक यीशु का जन्म हुआ, तो उसकी मां मरियम ने उन्हें चरनी में लिटा दिया था। इसलिए क्रिसमस बिना चरनी के सम्पूर्ण नहीं होता है। चरनी प्रभु यीशु मसीह की याद का अनुपम और आध्यात्मिक प्रतीक है। ईसाई धर्म के विशालता के कारण इस सम्प्रदाय के लोग लगभग विश्व के हर हिस्से में रहते हैं। इसलिए क्रिसमस पूरे विश्व में धुमधाम से मनाया जाता है। सत्य, अहिंसा और मानवता के संस्थापक और प्रतीक कहलाते हैं ईसा मसीह ।किदवंती यह भी है कि ईसा मसीह ने भेड़ बकरियों को चराते हुए उस समय प्रचलित अंधविश्वासों और रूढ़ियों के प्रति विरोध जाताना शुरू किया था, जिसका लोगों ने काफी विरोध किया था। उनके विरोधी ज्यादा होने के कारण उन्हें प्रसिद्धि मिलने में समय नहीं लगा। ईसा मसीह के विचारों को सुन यहूदी लोग घबरा उठे। यहूदी अज्ञानी होने के साथ-साथ अत्याचारी भी थे।

डंपर की टक्कर से बाईक सवार युवक की मौत

विश्वविद्यालय पुलिस चौकी के नजदीक हुई घटना

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विद्यालय पुलिस चौकी के पास डंपर की टक्कर से बुलेट मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई। उधर डंपर सकालु यादव के घर में घुसा, जिससे काफी लोग बाल बाल बच गए। परिजनों ने मृतक युवक का अंतिम संस्कार कर दिया। रियाजुल के अनुसार करंजाकला के निवासी पूर्व प्रधान जंग बहादुर यादव का 26 वर्षीय पुत्र अरविंद कुमार यादव शहर से कामकाज निपटाकर बुलेट मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था। जैसे ही वह पूर्वांचल विश्वविद्यालय पुलिस चौकी के समीप पहुंचा था कि जौनपुर शाहगंज मार्ग पर शाहगंज की ओर से आ रही डंपर का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे उलटी दिशा में आकर बुलेट मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मारते हुए डंपर सकालु यादव के घर में घुस गई। घर में मौजूद आधा दर्जन लोग बाल बाल बच गए। डंपर में बुलेट फंसकर छात्रिग्रस्त हो गया और अरविंद यादव गंभीर रूप से घायल हुआ। घटनास्थल पर भारी संख्या में लोग जुट गए। इस दौरान लोगों ने आनंन फानन में घायल अरविंद यादव को जिला अस्पताल लेकर जहां डॉक्टरों ने हालत नाजुक देखते हुए वाराणसी रेफर कर दिया। वाराणसी ट्रामा सेंटर ले गए जहां डॉक्टरों ने अरविंद को मृत घोषित कर दिया। उधर घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक फसता देख मौके से फरार हो गया। सूचना लगते ही पुलिस पहुंच गई और ट्रक को कब्जे में ले लिया। उधर पूर्व प्रधान पुत्र की मौत की खबर सुनकर लोग भारी संख्या में जुट गए। घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

किशोरी ने घर में फांसी लगाकर दी जान

सरायख्वाजा के नरौली गांव की घटना, पुलिस जांच पड़ताल में जुटी

रियाजुल हक क्राईम रिपोर्टर

सरायख्वाजा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के नरौली गांव में रविवार शाम एक किशोरी का शव घर के एक कमरे में फांसी के फंन्दे झूलता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर कार्रवाई में जूट गई है। नरौली गांव निवासी राजदेव गौतम की 17 वर्षीय पुत्री करीना घर के कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनो के मुताबिक रविवार शाम मृतका के माता पिता घर से दो सौ मी. दूर स्थित खेत की फसल देखने गए थे। इसी दौरान घर में अकेला पाकर किशोरी ने घातक कदम उठा लिया। घर में मौजूद साडी के सहारे पंखे पर फंदा लगाकर मौत को गले लगा लिया। शाम करीब सात बजे जब परिजन घर पहुंचे तो युवती के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। आसपास के लोगो ने आवाज दी लेकिन कुछ पता नही चल सका। परिजनो को किशोरी के सोने की आशंका हुई लेकिन काफी देर बीत जाने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो लोगों में चर्चा का विषय बन गया। थोड़ी देर बाद लोग एकत्रित हो गए और घटना की जानकारी स्थानी पुलिस को दे सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष मय फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर किसी तरीके से दरवाजा को तोड़ा, तो देखा किशोरी का शव फंदे पर लटका हुआ था। पुलिस ने शव को उतरवाया और कार्यवाई करते हुए शव को कब्जे में ले लिया। परिजनो से पूछताछ की ,लेकिन घटना का कुछ पता नहीं चल सका ।थानाध्यक्ष दिलीप सिंह ने बताया शव को कब्जे में लिया गया है। कमरे से किसी भी तरह की सुसाइड नोट या घटना से संबंधित साक्ष्य नहीं मिले हैं ।शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और मामले की पड़ताल की जा रही है।

भोजपुरी सुपरस्टार अभिनेत्री रानी चटर्जी ने महामेगा सेमिनार में विजेता प्रतिभागियों को दिया नारी शक्ति अवार्ड

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया केसरीपुर भास्करा स्थित शिव मंदिर के पास द फूड पैलेस में महिला सशक्तिकरण सेवा समिति द्वारा प्रबंधक शरद गोस्वामी एवं उपाध्यक्ष हेड सेंटर इंचार्ज ममता सिंह की नेतृत्व में नारी शक्ति पुरस्कार 2024, वर्ल्ड रिकॉर्ड ब्राइडल मेकअप महामेगा सेमिनार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि भोजपुरी सुपरस्टार अभिनेत्री रानी चटर्जी द्वारा प्रथम स्थान पर विजेता सुमन केसरी तथा द्वितीय पुरस्कार आकांक्षा तथा तृतीय पुरस्कार रिंकू गिरी सहित अन्य विजेता प्रतिभागियों को एवार्ड देकर नारी शक्ति पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया। अवार्ड पाकर प्रतिभागी महिलाएं खुशी से झूम उठी। मुख्य अतिथि भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री रानी चटर्जी ने महिला सशक्तिकरण सेवा समिति के

प्रबंधक शरद गोस्वामी तथा उपाध्यक्ष ममता सिंह को धन्यवाद देते हुए कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु इनकी यह सराहनीय सकारात्मक पहल है। प्रबंधक शरद गोस्वामी ने बताया कि पूर्वांचल के लगभग सैकड़ो महिलाओं ने भाग लिया। सेमिनार के दौरान एक्सपर्ट सुमन सिंह के द्वारा मेकअप की बारीकियां बतायी गयी।

कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक शरद गोस्वामी तथा धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष ममता सिंह ने की। सेमिनार में मुख्य रूप से अध्यक्ष राजीव गोस्वामी,पूनम हर्षित, साक्षी, रुखसार, नूर अंसारी, गुलप्सा अंसारी सहित संस्था की महिलाएं उपस्थित रही।

परिवर्तन समाज पार्टी की बैठक में लोगों ने ली सदस्यता

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर में रविवार शाम को परिवर्तन समाज पार्टी प्रदेश अध्यक्ष आईटी सेल प्रकोष्ठ आलोक कुमार साहू के आवास पर पार्टी की सदस्यता व बैठक संपन्न हुआ। जिसमें लोगों को

पार्टी की सदस्यता दिलाई गई और उन्हें जिम्मेदारी दी गई व शिक्षा व्यवस्था, समानता और एकता की नीति पर चलने की बात कही गई। बैठक में मुख्य अतिथि परिवर्तन समाज पार्टी राष्ट्रीय महासचिव श्रीकृष्णा साहू रहे। मुख्य अतिथि ने जोर देते हुए कहा कि पार्टी एकता समानता और शिक्षा व्यवस्था पर लड़ाई लड़ेगी, क्यूंकि यह सभी के लिए बेहद जरूरी है। इसी क्रम में सभी पदाधिकारियों ने पार्टी के विचारों और मजबूती पर बल दिया। जहां बैठक में लालता प्रसाद, संजय कुमार साहू, अनिल कुमार साहू, जगदीश साहू प्रभाशंकर साहू, चंद्रिका प्रसाद साहू, ऋषभ साहू सहित लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया। वहीं रामनारायण साहू को नगर व विधानसभा संयोजक एवं श्रीकांत गुप्ता को जिला प्रभारी चुना गया। संयोजक एवं पूर्व नगर पालिका परिषद अध्यक्ष शिव गोविंद साहू ने जल्द ही विधानसभा कमेटी गठन करने की बात कही। जिला अध्यक्ष महेंद्र कुमार साहू ने शाहगंज सहित जिले की विधानसभा कमेटी गठन करने की घोषणा की। पार्टी ने अगली बैठक 5 जनवरी को लखनऊ में होने की घोषणा की और इस बैठक में राष्ट्रीय परिषद के गठन के बारे में बताते हुए राष्ट्रीय महासचिव कृष्ण कुमार साहू ने सभी लोगों से बैठक में भाग लेने की अपील की। बैठक का संचालन प्रदेश प्रवक्ता धर्मचंद गुप्ता ने किया।

अंत में बैठक की अध्यक्षता कर रहे आलोक कुमार साहू ने कहा कि आईटी सेल का विस्तार पूरे प्रदेश में किया जाएगा और उन्होंने आए हुए अतिथियों और लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान राष्ट्रीय संगठन मन्त्री गंगा प्रसाद गुप्ता, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यशवन्त गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद साहू, प्रदेश महासचिव मुन्नालाल साहू, प्रदेश संगठन मन्त्री राम आसरे साई, जिला अध्यक्ष महेन्द्र साहू एवं जिला सचिव प्रदीप मौजूद रहे।

गरीब असहायों की सेवा करना भगवान की पूजा के बराबः डॉ.सुनील पटेल

रोहनिया विधायक ने गरीब असहाय जरूरतमंदों को वितरित किया कंबल

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया में बढ़ती हुई ठंड को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कंपोजिट विद्यालय पर रविवार को आयोजित कंबल वितरण समारोह में मुख्य अतिथि रोहनिया विधायक

कंबल वितरण कार्यक्रम के तहत रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सभा खपड़हवा अलाउद्दीनपुर स्थित लाइन ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि डॉक्टर महेंद्र सिंह पटेल ने संयुक्त रूप से क्षेत्र के गरीब, मजदूर, असहाय जरूरतमंदो को कंबल वितरण किया गया। कंबल पाकर गरीब असहायों का चेहरा खिल उठा। मुख्य अतिथि रोहनिया विधायक डॉक्टर सुनील पटेल ने कहा कि गरीब असहायों की सेवा करना भगवान की पूजा करने के बराबर है। इस अवसर पर मुख्य रूप से ग्राम प्रधान व विधानसभा अध्यक्ष बसंत लाल पटेल, जिलाध्यक्ष युवा मंच मानस कुमार सिंह, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य महेंद्र शर्मा, क्षेत्रीय लेखपाल निर्मला देवी, कानूनगो शिवश्याम, कार्यालय प्रभारी राजकुमार वर्मा, गोविंद पटेल इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

नेत्रदान व रक्तदान महादानः डा.अजय पाण्डेय

लायंस क्लब रॉयल ने की नेत्रदान व रक्तदान संगोष्ठी

अभिताश गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आधुनिक तकनीक के आपरेशन डीसेक एवं डीमेक द्वारा एक आदमी के मरणोपरांत नेत्रदान से कई दृष्टिबाधितो को रोशनी मिल सकती है। इसका फायदा कार्नियल ब्लाइंडनेस के मरीजों को ज्यादा है जिनकी संख्या हमारे देश में लाखों में है ।मृत्यु के छः घंटे के अन्दर नेत्रदान का कार्य सम्पन्न करा लेना चाहिए। नेत्रदान द्वारा प्राप्त कार्निया को आधुनिक तकनीक द्वारा लम्बे समय तक रिजर्व रखा जा सकता है। यह उदगार रविवार को लायंस क्लब जौनपुर रॉयल द्वारा आयोजित नेत्रदान व रक्तदान संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक डा.अजय पाण्डेय ने व्यक्त किया उन्होंने कार्नियल ब्लाइंडनेस के कारणों का जिक्र करते हुए कहा कि इसके प्रमुख कारण इन्फेक्शन,चोट लगना तथा मालन्यूटिशन के कारण होने वाली विटामिन ए की कमी है। उन्होंने कहा रक्तदान व नेत्रदान का कोई विकल्प नहीं है ।इसलिए यह दोनों सर्वोत्तम दान है। उन्होंने रक्तदान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा रक्तदान व नेत्रदान संगोष्ठी आयोजित कर लोगों को जागरूक करने का क्लब का प्रयास अति प्रशंसनीय है। क्लब अध्यक्ष मधुसूदन

बैंकर ने कहा अब पूरी आंख न निकाल कर सिर्फ आगे की काली पुतली निकाली जाती है। जिससे मृत व्यक्ति के आंखों व चेहरे पर किसी प्रकार का विकार नहीं आता मृत्युपरांत अपने नेत्रों को दान करके बहुत ही सरल प्रक्रिया द्वारा किसी की अंधेरी दुनिया को रोशन किया जा सकता है। संस्थापक अध्यक्ष अजय गुप्ता ने लायंस क्लब रॉयल द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित कर उसके द्वारा प्राप्त ब्लड को ब्लड की अतिरिक्त आवश्यकता से परेशान मरीजों को निःशुल्क उपलब्ध कराने वाले कार्य की सराहना करते हुए कहा अन्य संस्थाओं को भी इस दिशा में सार्थक पहल करना चाहिए। कार्यक्रम संयोजक गोपाल जी साहू ने कहा नेत्रहीन व्यक्ति को नेत्रदान से मिली दृष्टि दुनिया की सबसे अनमोल खुशी होती है। उपाध्यक्ष संजीव साहू ने कहा किसी की अंतिम दृष्टि किसी की पहली दृष्टि बन सकती है। उपाध्यक्ष अभिताश गुप्ता ने कहा बिना संकल्प पत्र भरे परिजनों की सहमति से भी नेत्रदान हो सकता है। संगोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि व अध्यक्ष द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर तत्पश्चात ध्वज वंदना से हुआ।

गोष्ठी उपरांत क्लब की साधारण सभा की बैठक हुई जिसमें बीते छः माह के कार्यक्रमों की समीक्षा की गई और आगामी माह के कार्यक्रमों पर व्यापक विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम संयोजक गोपाल जी साहू ने संगोष्ठी में भाग लेने वाले सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सचिव अजय सोनकर ने किया! इस अवसर पर कोषाध्यक्ष राजेश किशोर, राज केशरी, राजेन्द्र स्वर्णकार, रसाल बरनवाल, प्रदीप प्रधान, विनीत गुप्ता, ज्ञानेंद्र साहू, विनोद अग्रहरि, रवि गुप्ता, अभिषेक जायसवाल, योगेश साहू, राजकुमार कश्यप, संदीप सेठी,विवेक गुप्ता, राकेश साहू, रवि शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मदरसे का वार्षिक दस्तार बन्दी (वार्षिक दीक्षांत) का प्रोग्राम सकुशल संपन्न

डॉ.इम्तियाज अहमद सिद्दीकी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के तारापुर तकिया स्थित मदरसा जामिया तुशशैख अस अद अल मदनी का सलाना दस्तार बन्दी (दीक्षांत समारोह) का आयोजन और एहाये कुरान कॉन्फ्रेंस का इजलास आज मदरसे के प्रांगण में बड़े धूम धाम से आयोजित हुआ। कार्यक्रम का आगाज कलामे इलाही से मौलाना सारिब बनारसी ने किया, इस मोके पर मदरसों के तलबा (छात्रों) को हाफि ज की डिग्री लेने वाले छात्रों को पगड़ी बांध कर उनको सनद मुख्य अतिथि के हाथों प्रदान की गई ।कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद साजिद ने कुशलता पूर्वक

किया। इस मौके कर मदरसा संचालक/प्राचार्य मौलाना वसीम शेरवानी ने कहा कि आज लोग शिक्षा में बहुत आगे तो बढ़ गए हैं लेकिन उनके अंदर संस्कार नहीं है समाज में आपसी सद्भाव बनाए रखने की लिए शिक्षा के साथ संस्कार बहुत ही जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी शिक्षा समाज को हासिल होनी चाहिए जिसमें पैसे की कमी आड़े न आए।

मुख्य अतिथि मौलाना अब्दुल रशिद ने अपनी खास तकरीर में कहा कि इस्लाम धर्म के अनुयायियों को चाहिए कि वह अपने पैगंबर के बताओ हुए मार्ग पर ही चले तब ईश्वर की अनुकंपा उनके ऊपर होगी, हर बुराई से अपने आप को रोकें जिसके लिए रसूल और कुरान मना करता है। हाफिज की डिग्री लेने वाले बच्चों ने बताया कि हाफिज के साथ साथ व कंप्यूटर साइंस,मेडिकल, प्रशासनिक नौकरी में भी अपने भविष्य की तलाश के लिए आगे की शिक्षा जारी रखेंगे, ताकि समाज में संस्कार के साथ-साथ शिक्षा के महत्व को भी समझा जा सके।

सर चार्ज में छूट के लिए पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम ने लगाया एक मुश्त समाधान योजना कैम्प

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में उपभोक्ता के सहूलियत सर चार्ज में छूट के लिए पूर्वांचल विधुत वितरण निगम नें लगाया एक मुश्त समाधान योजना कैम्प वाराणसी, विद्युत वितरण खण्ड सरनाथ की तरफ से हुकुलगज में लगाया गया एकमुश्त समाधान योजना कैम्प। यह योजना 15 दिशम्बर 2024 से 31 जनवरी 2025 तक चलेगा। कैम्प के दौरान एसडीओ षष्ठम कृष्ण कांत ओझा सहित बिभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

खेतासराय पुलिस ने 7 वारण्टियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थानाध्यक्ष रामाश्रय राय के नेतृत्व में थाना खेतासराय के उपनिरीक्षक रवीन्द्रनाथ तिवारी मय पुलिस फोर्स द्वारा वारन्टी अभियुक्त 1. अश्वनी मौर्या पुत्र अखिलेश मौर्या 2. दीलि उर्फ दिलीप पुत्र चन्दर लाल मौर्या मौर्या 3. कैलाश मौर्या पुत्र पंचम मौर्या 4.मिठाई लाल पुत्र

रामचैत मौर्या निवासीगण कलापुर थाना खेतासराय को न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा निर्गत सम्बन्धित मु0नं0 292/2024 धारा 352/504/506/452 भादवि 5- महेश कुमार सोनी पुत्र शिवकुमार निवासी कासिमपुर थाना खेतासराय ,जौनपुर उम्र करीब 32 वर्ष न्यायालय ग्राम न्यायधिकारी शाहगंज द्वारा निर्गत सम्बन्धित मु0नं0 65/2024 धारा 279/337/338/304ए भादवि 6- दशरथ पुत्र स्व0 रामराज निवासी लतीफपुर थाना खेतासराय ,जौनपुर न्यायालय ग्राम न्यायधिकारी शाहगंज द्वारा निर्गत सम्बन्धित मु0नं0 210/2020 धारा 323/504 भादवि 7- सिकन्दर पुत्र पप्पू उर्फ दानिश निवासी वार्ड 0-11 जोगियाना थाना खेतासराय ,जौनपुर उम्र करीब 24 वर्ष न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट नं0- 12 जौनपुर द्वारा निर्गत सम्बन्धित मु0नं0 05/2023 धारा 323/504/506/427 भादवि को उनके झुउनके घर से नियमानुसार गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही हैं।

विद्यार्थी लक्ष्य के प्रति रहें समर्पितः प्रो.अर्चना चंद्रा

व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग में करियर प्रबंधन के लिए व्याख्यान का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग में छात्रों के करियर निर्माण को दिशा देने के लिए एक व्याख्यान का आयोजन सोमवार को किया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया राज्य विश्वविद्यालय इलाहाबाद, प्रयागराज के प्रबंध अध्ययन विभाग से आई प्रोफेसर अर्चना चंद्रा ने विद्यार्थियों से इंटरेक्ट होते हुए कहां कि विद्यार्थी लक्ष्य के प्रति समर्पित रहे। उन्होंने लक्ष्य निर्धारण के तरीको के टिप्स दिए। उन्होंने व्यक्तित्व निर्माण एवं उद्यमी बनने के लिए विद्यार्थियों को कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए इसके अलावा उन्होंने भारतीय शब्द रुजुगाड़ु के बारे में विस्तार से चर्चा की और बताया कि इसे सकारात्मक रूप से लेने पर आपके उद्यमिता में सही दिशा में बदलाव हो सकता है। अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मानस पांडेय ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को समर ट्रेनिंग प्रोजेक्ट कैसे बनाएं इस पर विद्यार्थियों से चर्चा की तथा विद्यार्थियों के द्वारा पूछे गए प्रश्नों का सहजता से जवाब दिया। स्वागत उद्बोधन डॉ आशुतोष सिंह ने और धन्यवाद ज्ञापन राकेश उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षकगण डॉ.सुशील सिंह, डॉ.निशा, डॉ.अंजनी, हर्ष मोदनवाल, दीपांजलि गुप्ता एवं प्रिंस सिंह इत्यादि उपस्थित रहे।

प्रायोगिक शिक्षा की महत्त्वपूर्ण कड़ी है टूरः कुलपति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध विभाग के बी.बी.ए. के छात्रों का औद्योगिक भ्रमण को कुलपति प्रोफेसर वन्दना सिंह ने शुभकामनाएं देते हुए रवाना किया। अपने सन्देश में कुलपति ने कहा कि औद्योगिक भ्रमण प्रायोगिक शिक्षा की महत्वपूर्ण कड़ी है। सैद्धांतिक शिक्षा को पूर्ण करने के लिए प्रायोगिक शिक्षा जरुरी है। औद्योगिक भ्रमण प्रायोगिक शिक्षा पूर्ण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि अपने भ्रमण के दौरान सीखे गए तथ्यों को शिक्षा में प्रयोग करे जिससे वे कुशल प्रबंधक बन सके।

व्यवसाय प्रबंध विभाग के विभाग अध्यक्ष प्रो मुराद अली ने कहा कि विभाग ऐसे औद्योगिक भ्रमण नियमित रूप से आयोजित करता हैं जिससे व्यवसाय प्रबंध के विद्यार्थियों को व्यवसाय जगत के बारे में नये दृष्टिकोण से अध्ययन करने का अवसर मिलता हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार छात्रों के वोकेशनल पाठ्यक्रमों को औद्योगिक जगत से जोड़ा गया हैं। छात्रों दिल्ली, मानेसर, हापुड़, गजियाबाद आदि के औद्योगिक इकाईयों का भ्रमण करेंगे और उसके आधार पर प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करेंगे। इस अवसर पर डॉ.विकास कुमार सिंह, समरीन तबस्सुम, उद्देश्य कुमार सिंह, मोहम्मद सहाबुद्दीन, सुनील कुमार मौर्या एवं बी.बी.ए. के छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे।

किसानों की खुशहाली से होगी देश की उन्नतिः सीमा द्विवेदी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कृषि विभाग द्वारा सोमवार को कृषि विज्ञान केंद्र बक्शा में भारत रत्न, किसानों के मसीहा, देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 चौधरी चरण सिंह के जन्म दिवस के अवसर पर किसान सम्मान दिवस का आयोजन किया गया।मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी, जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र, मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट इशिता किशोर के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उपनिदेशक कृषि हिमांशु पांडेय द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया।मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि चौधरी चरण सिंह किसानों के सच्चे हितैषी एवं शुभचिंतक थे। किसानों के विकास के लिए मंडी अधिनियम में संशोधन कराया ताकि किसानों को उनकी उपज का उचित लाभ मिल सके।उन्होंने बताया कि कृषि विभाग के द्वारा कृषि यंत्रों पर छूट दिया जा रहा है। उन्होंने सभी किसानों से कहा कि परंपरागत खेती छोड़कर वैज्ञानिक आधारित खेती करना शुरू करें । युवाओं को भी खेती के क्षेत्र में आगे आने की अपील की और कहा कि अब खेती करना बहुत ही आसान हो गया है और लाभदायक भी है। उन्होंने मोटे अनाज की खेती करने की अपील की। किसान देश की अर्थव्यवस्था के रीढ़ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इच्छा है कि देश के किसान की आय दोगुनी हो और किसान खुशहाल हो।जिलाधिकारी डा0 दिनेश चंद्र ने कहा कि सरकार चाहती है ।कि किसानों की समस्या किसानों के द्वार पर खत्म हो। मुख्यमंत्री योगी की प्रेरणा से जनपद में बीज, उर्वरक और सिंचाई की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। उन्होंने सभी से कहा कि किसान का सम्मान करे।उन्नत खेती अवश्य करें। किसानों को सम्मानित करते हुए हर्ष की अनुभूति होती है। किसानों के द्वारा अतिथियों को अपने उत्पाद भेट स्वरूप प्रदान किया गया। इस दौरान अतिथियों के द्वारा जनपद के

उत्कृष्ट उत्पादकता प्राप्त करने वाले 40 किसानों को प्रशस्ति पत्र और प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को सात हजार रुपए एवं द्वितीय स्थान पाने वाले किसानों को पांच हजार रुपए की सम्मान राशि देकर सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि सलाहकार कृषि मंत्रालय भारत सरकार विजय कुमार ने कहा कि चौधरी चरण सिंह कहा करते थे कि जब तक किसानों में खुशहाली नही आएगी तब तक देश का सम्पूर्ण विकास संभव नही है। सरकार किसानों की खुशहाली के लिए तमाम योजनाएं संचालित कर किसानों का सहयोग कर रही है।कार्यक्रम का संचालन उप परियोजना निदेशक आत्मा डा.रमेश चंद्र यादव ने किया। उक्त अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम,ज्वाइंट मजिस्ट्रेट इशिता किशोर, कृषि वैज्ञानिक डा. सुरेश कनौजिया, डा.सुरेंद्र सोनकर, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. ओपी श्रीवास्तव, जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह, जिला उद्यान अधिकारी डा. सीमा सिंह राणा,देवराज पांडेय सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

संस्था ने जरूरतमंदों को वितरित किया कंबल

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शकील एजुकेशनल एण्ड सोशल वेल्फेयर ट्रस्ट सबरहद शाहगंज द्वारा जरूरतमंदों को बढ़ती ठंड को देखते हुए कंबल वितरित किया गया। बतौर मुख्य अतिथि इंजीनियर मो. कासिम ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की मदद हम सभी लोगो को समय समय पर करनी चाहिए, जिससे गरीब, जरूरतमंद लोगों का भला हो सके। कासिम और मो. इमरान ने क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को एक साधारण समारोह में कंबल वितरित किया, जिसे पाकर जरूरमंद लोगो के चेहरे खिल उठे। कंबल वितरण समारोह में मुख्य रूप से फहीम अहमद, रेहान अहमद, फखरुल इस्लाम, फहद अहमद, प्रेमचंद, मो. आरिफ, शाहनवाज आदि लोग उपस्थित थे।

सेवायोजन कार्यालय द्वारा रोजगार मेला का आयोजन 26 दिसम्बर को

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन की मंशा एवं निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन उ0प्र0 के निर्देश के क्रम में जिला सेवायोजन कार्यालय कैम्पस (निकट नारायण नर्सिंग होम) जौनपुर में 26 दिसम्बर, 2024 को प्रातः 10:00 बजे रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें उ0प्र0 राज्य सड़क परिवहन निगम जौनपुर डिपो में चालको की भर्ती एवं निजी क्षेत्र की पुखराज हेल्थ केयर प्रा0लि0 कम्पनियों के द्वारा प्रतिभाग किया जाना है, परिवहन विभाग द्वारा 20 संविदा चालकों हेतु शैक्षिक योग्यता कक्षा- 8 पास, ड्राईविंग लाईसेंस-02 वर्ष पुराना वैध हैवी लाईसेंस, लम्बाई-05 फीट 03 इंच एवं आयुसीमा- 23 वर्ष 6 माह-40 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए एवं निजी कम्पनियॉ द्वारा भर्ती की जायेंगी। रोजगार मेलें में प्रतिभागी अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षिणिक प्रमाण पत्रों सहित रोजगार मेले में योग्यतानुसार प्रतिभाग करते हुए विभिन्न पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। जिला सेवायोजन अधिकारी एवं सहायक सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति आई0डी0प्रुफ सहित एवं वेब पोर्टल https://rojgaarsangam.up.gov.in पर जॉबसीकर के रूप में पंजीकरण उपरांत आवेदन करते हुए, रोजगार मेले में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करें।

चला जब ठुकरा के मेरा प्यार सारा जिला हिलेला!

मुंबई। यूपी की कहानी, बिहार की बेटी अब डिज्नी+ हॉटस्टार पर भारत का नंबर 1 शो ट्रेंड कर रही है। भारत के दिल से एक आकर्षक कहानी के साथ, जिसमें समान पात्र हैं, हॉटस्टार स्पेशल्स का ठुकरा के मेरा प्यार उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में डिज्नी+ हॉटस्टार पर सबसे अधिक सब्सक्राइब किया जाने वाला शो बन गया है। कमल पांडे द्वारा लिखित, बॉम्बे शो स्टूडियोज द्वारा निर्मित, और श्रद्धा पासी जैरथ द्वारा निर्देशित, इस शो में धवल ठाकुर और संजीता बसु जैसे उभरते हुए प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ अनुभवी अभिनेता अनिरुद्ध दवे और कपिल कनपुरिया शामिल हैं। धवल ठाकुर, जो कुलदीप कुमार की भूमिका निभाते हैं, ने साझा किया, ठुकरा के मेरा प्यार को उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश के दर्शकों द्वारा अपनाया जाना अद्भुत है। कुलदीप की भूमिका निभाना एक परिवर्तनकारी अनुभव था, और शो का रिकॉर्ड तोड़ना वास्तविक संतोष है। मैं डिज्नी+ हॉटस्टार और हमारी अद्भुत टीम का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मुझे ऐसा गहरा चरित्र निभाने का मौका दिया और इस यात्रा को अविस्मरणीय बनाया। संजीता बासु, जो शानविका की भूमिका निभाती हैं, ने कहा, बिहार के एक छोटे से शहर में बड़ी होकर, अपनी जड़ों की कहानी को सभी द्वारा प्यार किया जाना बहुत खास है। यह प्रेरणादायक है कि एक ऐसी कहानी, जो वास्तविकता में गहराई से निहित है, दर्शकों से जुड़ी है। शानविका के चरित्र को चित्रित करना एक जीवन बदलने वाली यात्रा रही है, और मैं डिज्नी+ हॉटस्टार और हमारी अद्भुत टीम का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझ पर इस भूमिका का भरोसा किया।

जगद्गुरु शंकराचार्य श्री प्रज्ञानानंद महाराज के सानिध्य में तीन दिवसीय महायज्ञ संपन्न

मुंबई। जगद्गुरु शंकराचार्य श्री प्रज्ञानानंद जी महाराज के सानिध्य मे तीन दिवसीय महायज्ञ का आयोजन किया गया। ये आयोजन मुंबई के गोरेगाव के बांगुर नगर 20, 21 और 22 दिसंबर तक किया गया था। कार्यक्रम का आयोजन मुंबई भाजपा प्रवक्ता रीता नीलेश सिंह ने किया था। इस अवसर पर कई महानुभावों ने आयोजन स्थल पर पहुंचकर जगद्गुरु शंकराचार्य श्री प्रज्ञानानंद जी महाराज का आशीर्वाद लिया और महायज्ञ में हिस्सा भी लिया। इस महायज्ञ में जगद्गुरु शंकराचार्य ने सवा करोड़ बीज मंत्रो की आहुतियों के द्वारा महायज्ञ को संपन्न कराया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री पंकजा मुंडे भी पहुंचकर जगद्गुरु शंकराचार्य जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। तथा स्थानीय विधायक विद्या ठाकुर ने भी महायज्ञ में हिस्सा लिया और महाराज जी से आशीर्वाद प्राप्त किया।

कैरेटलेन का 'द लायन किंग' संग्रह पेश

मुंबई। भारत के अग्रणी ओमनी चैनल ज्वेलरी ब्रांड, कैरेटलेन-ए टाटा प्रोडक्ट ने डिज्नी की प्रतिष्ठित फिल्म, द लायन किंग से प्रेरित एक शानदार नया कलेक्शन लॉन्च किया है। क्लासिक फ्रैंचाइजी के 30 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए, यह नई ज्वेलरी रेंज बहुप्रतीक्षित मुफासाः द लायन किंग के ठीक समय पर शुरू हुई है, जो इस महीने के अंत में सिनेमाघरों में रिलीज हुई। पहनने योग्य कला की यह विशाल 30-पीस रेंज स्वतंत्रता, दोस्ती, आत्म-खोज और प्रकृति की सुंदरता का उत्सव है। प्रत्येक आभूषण का टुकड़ा कलात्मक रूप से द लायन किंग की भावना को दशार्ता है, सिम्बा और टिमन जैसे प्रिय पात्रों को श्रद्धांजलि देता है, जबकि विशाल प्राइड लैंड्स को जीवंत करता है। यह कलेक्शन कैरेटलेन की बहु-फ्रैंचाइजी डिज्नी-थीम वाली रेंज का नवीनतम संग्रह है, जिसे इस वर्ष की शुरूआत में लॉन्च किया गया था, जिसमें डिज्नी की फ्रोजन, विनी द पूह, मिकी माउस एंड फ्रेंड्स और डिज्नी प्रिंसेस से प्रेरित डिजाइन शामिल हैं। अतुल सिन्हा, सीओओ, कैरेटलेन ने कहा,रहमें आभूषणों के माध्यम से प्रिय कहानियों को जीवंत करने के लिए डिज्नी के साथ सहयोग जारी रखने पर गर्व है। यह संग्रह युवाओं और युवा दिल वालों के लिए सार्थक आभूषण बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। अभिनव डिजाइन और चरित्र-आधारित रचनाओं के साथ, कैरेटलेन वास्तव में एक बहुमुखी ब्रांड है जिसमें सभी के लिए कुछ न कुछ है।

भाजपा द्वारा आयुष्मान भारत कार्ड के लिए शिविर आयोजित

वसई। भारतीय जनता युवा मोर्चा वसई के अध्यक्ष कल्पेश पांडे और उनकी टीम द्वारा वार्ड नंबर 95 और वार्ड 104, संघवी टावर, अग्रवाल सर्कल, स्टेला अय्यप्पा मंदिर मुख्य मार्ग के पास सदस्यता अभियान 2024, मतदाता पहचान पत्र और आयुष्मान भारत कार्ड के लिए आयोजित शिविर में नागरिकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। इस शिविर में ज्योति त्रिवेदी, दीपक झा, कमलेश त्रिवेदी, सुमित्रा यादव, जया पुजारी, पूनम मिश्रा, युवा मोर्चा के महामन्त्री कैलाश बोराना, उपाध्यक्ष परमेश मौर्य, रवि विश्वकर्मा, सनित सिंह, प्रह्लाद यादव, हरिश्चन्द्र एवं टीम के अन्य सभी सदस्य ने इस कैंप को सफल बनाने के लिए मिलके अच्छी मेहनत की।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में महाकुम्भ, 2025 के दृष्टिगत कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुम्भ, 2025 के दृष्टिगत कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक संपन्न हुई।बैठक में जिलाधिकारी द्वारा प्रयागराज की तरफ जाने वाले जनपद के सभी राजमार्गो पर स्थित पेट्रोल पम्पधारकों को अपने पेट्रोल पम्प पर तीर्थयात्रियों के उपयोगार्थ स्वच्छ पेयजल, स्वच्छ शौचालय आदि की व्यवस्था किये जाने एवं यात्रियों को कम्बल आदि की व्यवस्था भी कराये जाने का निर्देश दिया गया।जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि पेट्रोल पम्प पर कार्यरत समस्त कार्मिकों एवं उनके परिवारजनों का प्रधानमंत्री सुरक्षा योजना एवं जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत उनका बीमा अवश्य करवाया जाये। पम्पों पर यथास्थान- महाकुम्भ 2025 के प्रचार-प्रसार एवं यात्रियों के स्वागत स्लोगन सहित होर्डिंग लगवायी जाये। पम्पधारकों द्वारा तीर्थयात्रियों की सुविधा के दृष्टिगत स्वेच्छा से आवश्यक इंतजाम किये जाने का आश्वासन प्रदान किया गया है।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम,जिला पूर्ति अधिकारी संतोष विक्रम शाही जनपद के समस्त पेट्रोल पम्पधारकों, पेट्रोल पम्प यूनियन के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह,आई0ओ0सी0एल0 (पेट्रोलियम) के विक्रय प्रबन्धक रूपेश सिंह एवं मुकेश कुमार, बी0पी0सी0एल0 (पेट्रोलियम) के विक्रय प्रबन्धक अजय कोड़ा, एच0पी0सी0एल0 (पेट्रोलियम) के विक्रय प्रबन्धक सौरभ शुक्ला, आई0ओ0सी0एल0 (एल0पी0जी0) विक्रय प्रबन्धक रामराज, बी0पी0सी0एल0 (एल0पी0जी0) के विक्रय प्रबन्धक प्रमोद कुमार, एच0पी0सी0एल0 (एल0पी0जी0) विक्रय प्रबन्धक अरूण कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

कोली-आगरी एकता समाज मंडल की क्रिकेट प्रतियोगिता के विजेताओं को गोपाल शेट्टी ने प्रदान की ट्रॉफी

40+ खिलाड़ियों की भव्य क्रिकेट प्रतियोगिता 2024-25 का शानदार आयोजन

कांदिवली। कांदिवली कोली युवा संघ तथा कोली-आगरी एकता समाज मंडल के तत्वावधान में 40+ खिलाड़ियों की भव्य क्रिकेट प्रतियोगिता 2024-25 का शानदार आयोजन किया गया। खेलों के प्रोत्साहन और खिलाड़ियों की प्रगति तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए सदा आधार बनकर सम्पूर्ण सहयोग करने वाले एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए संबल और प्रेरणा का श्रोत बनते आये उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद जनसेवक गोपाल शेट्टी इस क्रिकेट प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए और आयोजकों तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने विजेता तथा उप-विजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की, बॉलिंग तथा फील्डिंग करके अपने हुनर से प्रतियोगिता देखने आये दर्शकों का दिल जीत लेने वाले खिलाड़ियों को भी पुरस्कार प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने खेलों की महत्ता, गुणवत्ता तथा विभिन्न खेलों से जुड़े रहने से उत्तम स्वास्थ्य के साथ-साथ सामाजिक एकता और सौहार्द जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अपने विचार रखते हुए उन्होंने वहां उपस्थित खिलाड़ियों और दर्शकों को संबोधित किया। सप्ताह मैदान, महावीर नगर कांदिवली (पश्चिम) में हुई इस भव्य और जोशीली प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ पोईसर जिमखाना के अध्यक्ष और विश्वस्त मुकेश भंडारी, भास्कर कोली, पूर्व नगरसेवक जगदीश ओझा और प्रमोद घाग सहित कोली और आगरी समाज के अनेक प्रतिष्ठित मान्यवर उपस्थित थे।

संपत्ति विवाद में विवाहिता की गला दबाकर हत्या, जेठ को आजीवन कारावास

उन्नाव। पुरवा क्षेत्र में विवाहिता की संदिग्ध हालात में हुई मौत के मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायालय फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या प्रथम ने मृतका के आरोपित जेठ को हत्या का दोषी करार दिया। न्यायालय ने अभियोजन की दलीलों को सुनने के बाद अभियुक्त को आजीवन कारावास और 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। साथ ही दिवंगत महिला के पिता को अर्थदंड की धनराशि से 50 प्रतिशत भाग दिए जाने के आदेश दिए हैं। गांव रतावर निवासी हरिशंकर ने 20 जुलाई 2015 को कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उनकी बेटी बिटोल का विवाह क्षेत्र के गांव केसरी खेड़ा झकवासा निवासी अमित मिश्रा के करीब 10 वर्ष पहले किया था। 20 जुलाई 2015 को बेटी बिटोल की ससुराल में संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतक के पिता के अनुसार बेटी की हत्या उसकी ससुराल की संपत्ति को लेकर चल रहे विवाद के कारण ससुर जमुना शंकर, सास शांतिदेवी, जेठ अजय उर्फ काबिल, जेठानी व जेठ के बेटे सचिन ने दोपहर घर में गला दबाकर हत्या कर दी। तहरीर के अनुसार घटना के समय बेटी से मिलने के लिए रिश्तेदार मोनू और कांथा निवासी राजू दीक्षित गये थे, उन्होंने घटना को देखा भी। पूर्व में भी आरोपियों ने बेटी के साथ मारपीट की थी। जिसकी रिपोर्ट भी कोतवाली में दर्ज कराई गई थी। मुकदमे की विवेचना तत्कालीन निरीक्षक आशुतोष त्रिपाठी ने सास जमुना देवी और जेठ अजय उर्फ काबिल के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया। मुकदमे की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायालय फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम में शुरू हुई। जहां सुनवाई के दौरान आरोपी सास शांति देवी की मौत हो गई। मुकदमे की सुनवाई के दौरान सोमवार को अपर जिला जज स्वतंत्र प्रकाश ने सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता क्रिमिनल यशवंत सिंह की दलीलों को सुनने और साक्ष्य परखने के बाद न्यायालय ने आरोपित जेठ अजय उर्फ काबिल को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास और 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।

आजादी के बाद से संभल में अब तक 14 बार हुआ उपद्रव

संभल। जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर हुई हिंसा के पीछे साजिश की परतें खोलने में जुटी पुलिस पिछले उपद्रव में आगे रहे लोगों को भी चिह्नित कर रही है। इसके लिए खुफिया विभाग ने रिपोर्ट तैयार की है। आजादी के बाद से संभल में 14 बार उपद्रव हो चुका है। कुछ ऐसे लोगों के मिलने की आशंका है कि जो पहले भी उपद्रव में अगुवाई करते रहे हैं, इस बार उनकी मौजूदगी देखी जाएगी। उनके पहले के मुकदमों की स्थिति भी पता की जा रही है। संभल में जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर 24 नवंबर को हिंसा हुई थी। फायरिंग और आगजनी होने पर चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से अधिक अधिकारी घायल हो गए। इस हिंसा के पीछे सुनियोजित साजिश प्रतीत हो रही है। मंगलवार को पुलिस को पाकिस्तानी और अमेरिकी कारतूस के खोखे मिलने से विदेशी फंडिंग की भी आशंका जताई जा रही है। अब पुलिस खुफिया रिपोर्ट के आधार पर उन लोगों को तलाश कर रही है जो पहले भी दंगों में शामिल रह चुके हैं। इस बार भी उनकी भूमिका संदिग्ध है।

श्रीकृष्ण विग्रह वाद में सुनवाई 20 फरवरी को

आगरा। मथुरा के कटरा केशवदेव मंदिर के भगवान श्रीकृष्ण के विग्रह आगरा की जामा मस्जिद की सीढ़ियों में दबे होने से संबंधित वाद में सोमवार को लघु वाद न्यायालय में सुनवाई हुई। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिवक्ता ने सुप्रीम कोर्ट में पूजा स्थल अधिनियम, 1991 के वाद में पारित अंतरिम आदेश का हवाला देकर सुनवाई स्थगित करने को प्रार्थना पत्र दिया। न्यायालय में अब अगली सुनवाई 20 फरवरी को होगी। योगेश्वर श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ ट्रस्ट के वाद भगवान श्रीकृष्ण लला विराजमान आदि बनाम उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि संरक्षित सेवा ट्रस्ट आदि बनाम उप्र सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड आदि वाद में श्रीकृष्ण के विग्रह के जामा मस्जिद की सीढ़ियों में दबे होने का दावा किया गया है।

महाकुंभ की तैयारियों पर सीएम योगी का सख्त निर्देश, सात दिनों में काम कर लें पूरा

महाकुंभनगर। सीएम योगी महाकुंभ की तैयारियों को देखने सोमवार को प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने अरैल में बनी टेंट सिटी, दशाश्वमेध घाट के कार्यों का निरीक्षण किया। दशाश्वमेध महादेव का पूजन करने के बाद प्रयागराज मेला प्राधिकरण के कार्यालय पर समीक्षा बैठक भी की। मुख्यमंत्री ने पांटून पुल बनाने, चकर्डप्लेट बिछाने, शौचालय, अस्पताल, बिजली के पोल, पानी की पाइपलाइन बिछाने के बारे में जानकारी ली। मेला क्षेत्र में 30 पांटून पुल बनने हैं, लेकिन अभी तक 20 बने हैं। साधु-संतों को सुविधा के लिए चक्कर काटना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने सख्त निर्देश दिया कि यह उचित नहीं है। संतों को दिक्कत न होने पाए। जो काम बचे हैं, वह 30 दिसंबर तक हर हाल में पूरे कर लिए जाएं। इसके बाद विभागवार कार्यों की समीक्षा करके जवाबदेही तय की जाएगी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय जाकर वहां की व्यवस्था देखी। साथ ही प्रयागराज रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करेंगे। वैदिक शिक्षा के प्रचार-प्रसार, गो सेवा और चिकित्सा के सेवा कार्य में अखाड़ा लगा है। देश भर में 50 के लगभग संस्कृत, वेद विद्यालय व अस्पतालों का संचालन अखाड़ा करवा रहा है। लगभग 4.30 बजे सीएम योगी स्टेट प्लेन से लखनऊ जाएंगे। मुख्यमंत्री के साथ नगर विकास व ऊर्जा मंत्री एके शर्मा, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह व लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री बृजेश सिंह भी निरीक्षण में शामिल रहे। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, डीजीपी प्रशांत कुमार, कई अपर मुख्य सचिव व आधा दर्जन से ज्यादा प्रमुख सचिव भी आए। कई एडीजी व प्रमुख सचिव रविवार शाम को ही पहुंच गए। बता दें कि प्रयागराज सनातन संस्कृति के प्राचीनतम नगरों में से एक है। प्रयागराज की महत्ता और प्राचीनता का विवरण ऋग्वेद से लेकर पुराणों और रामायण, महाभारत जैसे महाकाव्यों में मिलता है। सनातन मतावलंबियों के आराध्य प्रभु श्रीराम के जीवन और वनवास प्रसंग से प्रयागराज का विशेष संबंध है। रामायण में वर्णन मिलता है कि वनवास के लिए अयोध्या से निकल कर प्रभु श्रीराम प्रयागराज के श्रृंगवेरपुर धाम पहुंचे थे। जहां उन्होंने रात्रि निवास कर अपने बाल सखा निषादराज की मदद से गंगा नदी पार की थी और वहां से भरद्वाज मुनि के आश्रम पहुंचे थे।

प्राथमिक शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए आवासीय विद्यालय आवश्यक: धनंजय सिंह

दिव्यांग बच्चों को शैक्षणिक सामग्री वितरित

जौनपुर। प्राथमिक शिक्षा को बेहतर और प्रभावी बनाने की दिशा में आवासीय विद्यालय आवश्यक है। इससे निम्न और मध्यम वर्ग के परिवारों से जुड़े बच्चों को सुगमता पूर्वक शिक्षा प्राप्त होती है। श्री समरथी राजाराम दिव्यांग एवं बालिका शिक्षण संस्थान, कुशहां घनश्यामपुर के 19वे वार्षिकोत्सव समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का दायित्व है कि वह बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ नैतिकता, अनुशासन तथा कर्तव्यनिष्ठा का पाठ पढ़ाएं ताकि वे देश के अच्छे नागरिक बन सकें। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को भी इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षक उनके बच्चों की भलाई के लिए दंडित करता है। हर बात के लिए शिक्षकों को संदेह के कटघरे में खड़ा नहीं करना चाहिए। बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम और विज्ञान प्रदर्शनी की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में इन सबका बहुत योगदान होता है। विद्यालय के प्रबंधक अजय सिंह को विश्वास दिलाया कि वे विद्यालय से जुड़ी समस्याओं के निराकरण के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि विधान परिषद सदस्य प्रिंसू सिंह की निधि से विद्यालय को 5 लाख रुपए की आर्थिक मदद दिलाने का पूरा प्रयास करेंगे। मुंबई के वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने अजय सिंह के भागीरथ प्रयत्नों कि सराहना करते हुए उन्हें शिक्षा महर्षि बताया। समारोह के विशिष्ट अतिथि गोरखनाथ गुप्ता के सौजन्य से निर्मित प्रवेश द्वार का भी उद्घाटन किया गया। 55 दिव्यांग बच्चों को बैग,ड्रेस तथा अन्य शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधानाचार्य रामकीर्ति दुबे ने की। समारोह में उपस्थित प्रमुख लोगों में सांसद प्रतिनिधि ओमप्रकाश सिंह, पूर्व प्रधानाचार्य रमेश सिंह, समाजसेवी अखिलेश सिंह, पत्रकार डॉ सुभाष चंद्र पांडे, वरिष्ठ शिक्षक मयाशंकर तिवारी,भाजपा जिला मंत्री अवधेश यादव, समर बहादुर सिंह, समाजसेवी राजेंद्र सिंह, प्रवक्ता विजय शंकर तिवारी, पूर्व प्रधान चंचल सिंह, वरुण सिंह, मुन्ना तिवारी, नरसिंह पांडे , सुभाष सिंह, हृदय प्रकाश सिंह, सोनू सिंह , विनय सिंह रावण आदि का समावेश रहा। कार्यक्रम का सुंदर संचालन अमर सिंह ने किया। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद तिवारी ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

चीन की तरफ मिसाइल तैनात करने जा रहा फिलीपींस, शी चिनफिंग की बढ़ी टेंशन

बीजिंग। फिलीपींस चीन से लगती सीमा की तरफ अमेरिकी मध्यम दूरी की मिसाइल टाइफान की तैनाती की योजना बना रहा है। चीन ने इसे उकसाने वाला कदम बताया है। चीनी अधिकारी ने कहा है कि इससे क्षेत्र में तनाव बढ़ेगा। फिलीपींस के शीर्ष सैन्य अधिकारी ने सोमवार को मनीला में कहा कि सेना दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच मध्यम दूरी की मिसाइल खरीदने की योजना बना रही है। लेफ्टिनेंट जनरल राय गैलिडो ने कहा कि हां, ऐसी योजनाएं हैं। अमेरिका ने अप्रैल में उत्तरी फिलीपींस में अपनी मध्य दूरी की मिसाइल प्रणाली टाइफान तैनात की थी। साथ ही दोनों देशों के सैनिक इन हथियारों के संभावित उपयोग के लिए संयुक्त रूप से प्रशिक्षण ले रहे हैं। फिलीपींस को अमेरिकी सैन्य सहायता का चीन लगातार विरोध करता आ रहा है। चीन टाइफान प्रणाली की तैनाती से विशेष रूप से चिंतित है। राष्ट्रपति जो बाइडन के नेतृत्व में अमेरिका ने ताइवान पर किसी भी टकराव सहित चीन से मुकाबला के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सैन्य गठजोड़ को मजबूत किया है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि फिलीपींस द्वारा हथियार की तैनाती से भूराजनीतिक टकराव और हथियारों की होड़ तेज हो जाएगी। फिलीपींस के लेफ्टिनेंट जनरल रॉय गैलिडो ने कहा कि सेना न केवल अमेरिका बल्कि अन्य मित्र देशों के साथ भी हथियार प्लेटफार्मों की एक लंबी सूची पर काम कर रही है। इन्हें हासिल करने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंनो यह भी कहा कि फिलीपींस अनिवार्य रूप से टाइफॉन प्रणाली नहीं खरीदेगा। फिलीपींस की रक्षा योजना में उसके विशेष आर्थिक क्षेत्र की सुरक्षा भी शामिल है।

पुलिस को देखते ही वापस लौट पड़ा शख्स, शक होने पर तलाशी ली तो रह गए दंग

शामली। एसओजी और आदर्श मंडी पुलिस ने पूर्वी यमुना नहर से मुखबीर की सूचना पर एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से पुलिस ने 210 ग्राम स्मैक बरामद की। पुलिस के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में पकड़ी गई स्मैक की कीमत 30 लाख रुपये है। पुलिस ने आरोपित को कोर्ट में पेश किया। जहां से उसको जेल भेज दिया गया। शनिवार की रात एसओजी टीम और आदर्श मंडी पुलिस आदर्श मंडी थाना क्षेत्र के पूर्वी यमुना नहर पुल के निकट चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान एक युवक पुलिस को देखकर वापस चल दिया। पुलिस ने युवक को रोककर पूछताछ की तो मामला संदिग्ध मिला। पुलिस ने युवक की तलाशी ली तो आरोपित की जेब से 210 ग्राम स्मैक बरामद हुई। युवक ने पूछताछ में अपना नाम साकिर पुत्र कामिल निवासी गांव खानपुर थाना गंगोह जनपद सहारनपुर बताया है। आरोपित ने बताया कि वह बरेली से स्मैक लेकर आता है और शामली, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर में स्मैक की बिक्री करता है। शनिवार रात भी वह स्मैक बेचने के लिए ही शामली आया था। थाना प्रभारी सचिन शर्मा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्मैक की कीमत 30 लाख रुपये है। आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसको जेल भेज दिया गया। आरोपित को जल्द ही रिमांड पर लेकर अन्य स्मैक तस्कर के संबंध में पूछताछ की जाएगी। वहीं उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में विवाहिता को ब्लैक मेल कर रिश्तेदार दो साल से ज्यादा समय तक दुष्कर्म करता रहा। पंद्रह दिन पूर्व पीड़िता को घर लाकर स्वजन के साथ मारपीट कर घायल कर दिया। एसपी के निर्देश पर आरोपित व उसके स्वजन समेत सात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। छपरौली की रहने वाली विवाहिता ने आरोप है कि अप्रैल 22 में उसके पति के मामा का बेटा गुलबीर निवासी मंसूरपुर पीड़िता के मकान पर आया। पीड़िता के अकेली होने के फायदा उठाकर दुष्कर्म किया। आरोपित ने मोबाइल में फोटो भी ले लिए।

गोल्डन ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में 40 आदिवासी परिवार को कंबल अन्न धान्य वस्त्र वितरण

कल्याण। कल्याण के नजदीक सापाड़ गांव में प्रति आदिवासी परिवार को एक कम्बल, साड़ी, ट्रैक सूट अन्न धान्य का एक किट प्रति परिवार को सहायता संस्था की तरफ से किया गया। साथ नगद राशि एक हजार रुपये ,प्रति परिवार को प्रदान किया गया। इस कंबल और अन्न - धान्य तथा नए - वस्त्र वितरण के अवसर पर संस्था के अध्यक्ष डॉ.विजय पंडित और संस्था के सहयोगी प्रो. सोहनी मैडम, सूर्यकांत कोळी, विशाल कुंटे, दिलबाग सिंह, सचिन गोरे, संध्या जाधव,शीतल पाटिल, रणबीर सिंह, अमीना शेख, अरविंद जोशी, दिलीप गांगुरडे, नाना चिखले, बंटी ढोमसे, आशुतोष तिवारी आदि मान्यवर उपस्थित थे।

इस अवसर पर सभी आदिवासी परिवार तथा उनके बच्चों के साथ नास्ता व चायपान की व्यवस्था भी उपरोक्त संस्थाओं के माध्यम से की गई थी। डॉ.विजय पंडित ने सहयोगी दानदाताओं का जिनके माध्यम से लगभग 60 हजार रुपये के अन्न - धान्य,40 कंबल,नई साड़ियां,नए ट्रैक सूट, वस्त्र इत्यादि सहयोग प्रदान करने के लिये आभार माना।

जो हम अपने लिए चाहते हैं, वही दूसरों के लिए करना ही सुशासन: डॉ दिनेश कुमार सिंह

जौनपुर। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के क्रम में पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में समस्त जनपदों में 19 से 24 दिसंबर 2024 के मध्य सुशासन सप्ताह मनाया जा रहा है।

इसी क्रम में मुख्य अतिथि पूर्व जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में तथा जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की उपस्थिति में एक कार्यशाला का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि का स्वागत जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र द्वारा पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्रम, प्रतीक चिन्ह देकर किया गया। मुख्य अतिथि तथा जिलाधिकारी ने श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जी के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्य अतिथि डॉ0 दिनेश कुमार सिंह जी द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री और श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जी को नमन किया गया। उन्होंने उपस्थित सभी का अभिनंदन करते हुए जनपद में अपने कार्यकाल के दौरान के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि कोरोना काल के दौरान जनपद में कार्य करना बेहद चुनौती पूर्ण रहा। कोरोना काल के दौरान सभी अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा दिये गये सेवाओं/योगदान हेतु सबका धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने बताया कि अपने कार्यकाल के दौरान निर्विवाद वरासत के मामलों को निपटाया। इस सुशासन सप्ताह में उन्होंने उम्मीद किया कि निर्विवाद वरासत के मामलों में सभी का वरासत दर्ज कराया जाए, जिससे किसी भी परिवार को भटकना न पड़े, अभियान चलाकर अंश निर्धारण की प्रक्रिया पर निवर्तमान जिलाधिकारी द्वारा की जा रही कार्यवाही पर प्रशंसा जाहिर करते हुए कहा कि अंशनिर्धारण की प्रक्रिया पारदर्शी और त्रुटिरहित होनी चाहिए। पैमाइश के मामलों में शासन बेहद गंभीर हैं, पैमाइश के मामलों का निराकरण कराये।

पूर्व जिलाधिकारी महोदय द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान किए गए बदलाव नवाचारों को भी साझा किया। उन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग में किए गए अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि ऐसे छात्र जो पढ़ाई में कमजोर हैं सभी शिक्षक ऐसे 15 छात्रों को अपने संतान समतुल्य मानकर बच्चों के हित में कार्य करें। इस दौरान उन्होंने सुईथाकला के आगनबाड़ी केन्द्र की सराहना की।

इस दौरान उन्होंने पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा, ज्वाइट मजिस्ट्रेट, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी वि/रा0 सहित राजस्व विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग सूचना विभाग, चिकित्सा विभाग, पंचायती राज, स्वयं सेवी संगठन के पदाधिकारियों, आगनबाड़ी कार्यकत्रियों, पुलिस विभाग, कृषि विभाग, कलेक्ट्रेट परिसर में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों सहित अन्य विभागों में उल्लेखनीय प्रशंसात्मक कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को सम्मानित किया और कहा कि आज जिन्हें भी सम्मानित किया गया है वे निश्चय ही प्रोत्साहित होकर ऊर्जा के साथ कार्यों को संपादित करेंगे। उन्होंने सुशासन के कांसेप्ट को समझाते हुए कहा कि जो भी हम एक साधारण इंसान के रूप में चाहते हैं वही दूसरों के लिए करें यही सुशासन की परिकल्पना है। उन्होंने वर्तमान जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा जनपद में किए जा रहे कार्यों की सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र ने कहा कि सुशासन सप्ताह के अन्तर्गत मुख्यमंत्री के नेतत्व में जन शिकायतों के निस्तारण हेतु हम प्रतिबद्ध है। प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत निवारण, आनलाइन सर्विस डिलीवरी आदि को हमारे अधिकारी/कर्मचारी मिलकर कटिबद्धता के साथ जनहितकारी योजनाओं को सहज, सुलभ और तीव्रता के साथ लोगो तक पहुचाने हेतु प्रयास करे। मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि को एक अच्छा सुशासन और संवेदनशील प्रशासन हेतु हर संभव प्रयास करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।